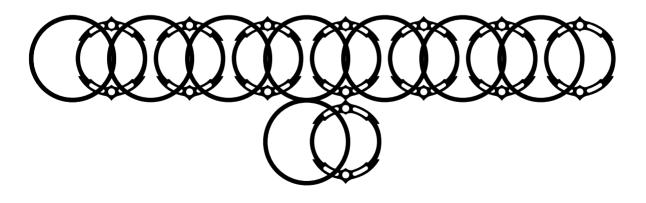
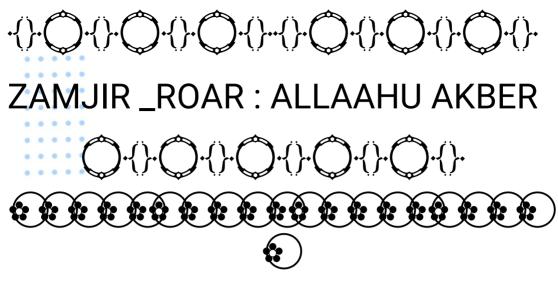


Perpetual Sincere Obedience to Allah is is Obligatory on Every Creature. None has the right to be worshipped but Allah







Lugman (31:20)



أَلَمْ تَرَوْا أَنَّ ٱللهَ سَخَرَ لَكُم مَّا فِي السَّمُواتِ وَمَا فِي ٱلأَرْضِ وَأَسْبَعَ عَلَيْكُمْ نِعَمَهُ طُهْرَةً وَبَاطِنَةً وَمِنَ ٱلنَّاسِ مَن يُخِدِلُ فِي ٱللهِ بِغَيْرِ عِلمٍ وَلَا هُدًى وَلَا يُخِدِلُ فِي ٱللهِ بِغَيْرِ عِلمٍ وَلَا هُدًى وَلَا يُخِدِلُ فِي ٱللهِ بِغَيْرِ عِلمٍ وَلَا هُدًى وَلَا يُخِدِلُ فِي ٱللهِ بِغَيْرٍ عِلمٍ وَلَا هُدًى وَلَا يُخِدِلُ فِي ٱللهِ بِغَيْرٍ عِلمٍ وَلَا هُدًى وَلَا يَخِدِلُ فِي ٱللهِ بِغَيْرٍ عِلمٍ مَنِيرٍ

کیا تم نہیں دیکھتے کہ الله تعالیٰ نے زمین وآسمان کی ہر چیز کو ہمارے Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....2



کام میں لگا رکھا ہے اور تمہیں اپنی ظاہری وباطنی نعمتیں بھرپور دے بعض لوگ الله کے بارے ،رکھی ہیں میں بغیر علم کے اور بغیر ہدایت کے اور بغیر ہدایت کے اور بغیر روشن کتاب کے جھگڑا کرتے اور بغیر روشن کتاب کے جھگڑا کرتے ہیں

See you not (O men) that Allah has subjected for you whatsoever is in the heavens and whatsoever is in the earth, and has completed and perfected His Graces upon you, (both) apparent (i.e. Islamic Monotheism, and the lawful pleasures of this world, including health, good looks, etc.) and hidden [i.e. One's Faith in Allah (of Islamic Monotheism) knowledge, wisdom,



guidance for doing righteous deeds, and also the pleasures and delights of the Hereafter in Paradise, etc.]? Yet of mankind is he who disputes about Allah without knowledge or guidance or a Book giving light!

क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह ने, जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, सबको तुम्हारे काम में लगा रखा है और उसने तुमपर अपनी प्रकट और अप्रकट अनुकम्पाएँ पूर्ण कर दी है? इसपर भी कुछ लोग ऐसे है जो अल्लाह के विषय में बिना किसी ज्ञान, बिना किसी मार्गदर्शन और बिना किसी प्रकाशमान किताब के झगडते है

তোমরা কি দেখতে পাও নি যে আল্লাহ্ প্রি তোমাদের জন্য অনুগত করে দিয়েছেন যা কিছু রয়েছে মহাকাশমন্ডলীতে ও যা কিছু আছে পৃথিবীতে, আর তোমাদের প্রতি তিনি পূর্ণমাত্রায় অর্পণ করেছেন তাঁর অনুগ্রহসামগ্রী -- প্রকাশ্য ও অপ্রকাশ্য? আর লোকেদের মধ্যে এমনও আছে যে



আল্লাহ্ সম্বন্ধে বাক্-বিতন্ডা করে কোনো জ্ঞান ছাড়াই ও কোনো পথনির্দেশ ব্যতীত এবং উজ্জ্বল গ্রন্থ ব্যতিরেকে।

Ibrahim (14:34)

بس<u>ارالله</u>م الرحيم مرادجيم

وَءَاتَنكُم مِن كُلِّ مَا سَأَلْتُمُوهُ وَإِن تَعُدُواْ فِعَاتِنَ اللهِ لَا تُحْصُوهَا إِنَّ ٱلْإِنسَانَ لَظلُومٌ فِعَمَتَ ٱللهِ لَا تُحْصُوهَا إِنَّ ٱلْإِنسَانَ لَظلُومٌ كَفَارُ

اسی نے تمہیں تمہاری منہ مانگی کل چیزوں میں سے دے رکھا ہے۔ اگر تم الله کے احسان گننا چاہو تو انہیں پورے گن بھی نہیں سکتے۔ یقیناً



انسان بڑا ہی بے انصاف اور ناشکرا ہے

And He gave you of all that you asked for, and if you count the Blessings of Allah , never will you be able to count them. Verily! Man is indeed an extreme wrong-doer, - a disbeliever (an extreme ingrate, denies Allah Sessings by disbelief, and by worshipping others besides Allah , and by disobeying Allah and His Prophet Muhammad SAW).

और हर उस चीज़ में से तुम्हें दिया जो तुमने उससे माँगा यदि तुम अल्लाह की नेमतों की गणना नहीं कर सकते। वास्तव में मनुष्य ही बड़ा ही अन्यायी, कृतघ्न है

আর তিনি তোমাদের প্রদান করেন তোমরা তাঁর কাছে যা প্রার্থনা কর তার সব₋কিছু থেকেই। আর তোমরা যদি আল্লাহ্ৠর অনুগ্রহ গণনা করতে যাও



তোমরা তা গণতে পারবে না। মানুষ আলবৎ বড়ই আন্যায়কারী, অত্যন্ত অকৃতজ্ঞ।

An-Nahl (16:52)

بسلالهم وَلهُ مَا فِي السَّمَاوَاتِ وَالأَرْضِ وَلهُ

الدِّينُ وَاصِبًا ۚ أَفْعَيْرَ اللهِ تَتَقُونَ

天地万物只是他的,顺从常常只归

于他。难道你们舍真主而敬畏他物

吗?

53

وَمَا بِكُم مِن تِعْمَةٍ فَمِنَ اللهِ صَا يُكُم مِن تِعْمَةٍ فَمِنَ اللهِ

مَستكم الضرّ فاليه تجارُونَ

凡你们所享受的恩惠都是从真主

降下的。然后,当你们遭难的时候,

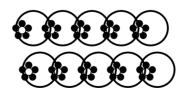


你们只向他祈祷。

To Him belongs all that is in the heavens and (all that is in) the earth and Ad-Din Wasiba is His [(i.e. perpetual sincere obedience to Allah is obligatory). None has the right to be worshipped but Allah []. Will you then fear any other than Allah [].

जो कुछ आकाशों और धरती में है सब उसी का है। उसी का दीन (धर्म) स्थायी और अनिवार्य है। फिर क्या अल्लाह के सिवा तुम किसी और का डर रखोगे?

আর মহাকাশমন্ডলে ও পৃথিবীতে যা-কিছু আছে তা তাঁরই আর ধর্ম সর্বদাই তাঁর। তোমরা কি তবে আল্লাহ্ শ্রু ব্যতীত অন্যকে ভয়শ্রদ্ধা করবে?





An-Nahl (16:53)

بس<u>االلهم</u> الرحمن مالرجيم

وَمَا بِكُم مِّن تِعْمَةٍ فَمِنَ ٱللهِ ثُمَّ إِذَا مَستكمُ ٱلضُرُ فَإِلَيْهِ تَجْـُرُونَ

تمہارے پاس جتنی بھی نعمتیں ہیں اب بھی ،سب اسی کی دی ہوئی ہیں جب تمہیں کوئی مصیبت پیش آجائے تو اسی کی طرف نالہ وفریاد کرتے ہو

And whatever of blessings and good things you have, it is from Allah . Then, when harm touches you, unto Him you cry aloud for help.

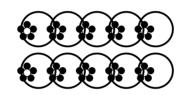
तुम्हारे पास जो भी नेमत है वह अल्लाह 🕬 ही की



ओर से है। फिर जब तुम्हे कोई तकलीफ़ पहुँचती है, तो तुम उसी से फ़रियाद करते हो

আর তোমরা অনুগ্রহের যে-সব পেয়েছ তা তো আল্লাহ্ র কাছ থেকে, আবার যখন দুঃখকষ্ট তোমাদের পীড়া দেয় তখন তাঁর কাছেই তোমরা

সাহায্য প্রার্থনা কর।



An-Nahl (16:54) بسارالله مي المراجعة ا

ثمّ إِذَا كَشَفَ ٱلضُرّ عَنكُمْ إِذَا فَرِيقٌ مِنكُم بِرَبِّهِمْ يُشْرِكُونَ

اور جہاں اس نے وہ مصیبت تم سے دفع کر دی تم میں سے کچھ لوگ Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....10



اپنے رب کے ساتھ شرک کرنے لگ جاتے ہیں

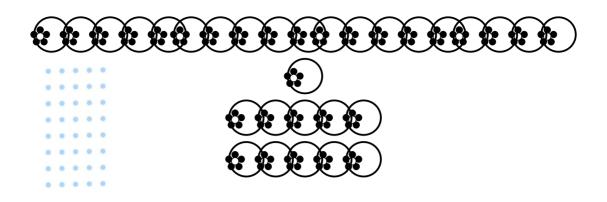
Then, when He has removed the harm from you, behold! Some of you associate others in worship with their Lord (Allah).

फिर जब वह उस तकलीफ़ को तुमसे टाल देता है, तो क्या देखते है कि तुममें से कुछ लोग अपने रब के साथ साझीदार ठहराने लगते है,

তারপর যখন তিনি তোমাদের থেকে দুঃখদুর্দশা দূর করে দেন, দেখো, তোমাদের একদল তাদের প্রভুর সঙ্গে অংশী দাঁড় করায়, --

TAMJIR_ROAR: ALLAAHU AKBER





An-Nahl (16:55) بسااللهم بسااللهم

لِيَكُفُرُواْ بِمَآ ءَاتَيْنَهُمْ فُتَمَتَّعُواْ فُسَوْفَ تعْلمُونَ

کہ ہماری دی ہوئی نعمتوں کی ناشکری کریں۔ اچھا کچھ فائدہ اٹھالو آخر کار تمہیں معلوم ہو ہی جائے گا

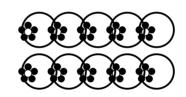
So (as a result of that) they deny (with ungratefulness) that (Allah ** 's Favours) which We have bestowed on them! Then



enjoy yourselves (your short stay), but you will come to know (with regrets).

कि परिणामस्वरूप जो कुछ हमने उन्हें दिया है उसके प्रति कृतघ्नता दिखलाएँ। अच्छा, कुछ मज़े ले लो, शीघ्र ही तुम्हें मालूम हो जाएगा

যাতে তারা অস্বীকার করতে পারে যা আমরা তাদের দিয়েছিলাম। "অতএব ভোগ করে নাও, শীঘ্রই কিন্তু টের পাবে!"



An-Nahl (16:56) بسراللهم بسراللهم

وَيَجِعْلُونَ لِمَا لَا يَعْلَمُونَ تَصِيبًا مِّمَا رَرُقَنَهُمْ تَٱللهِ لَتُسْ ُلُنَّ عَمَّا كُنتُمْ تَقْتَرُونَ



اور جسے جانتے بوجھتے بھی نہیں اس کا حصہ ہماری دی ہوئی روزی والله تمہارے ،میں سے مقرر کرتے ہیں اس بہتان کا سوال تم سے ضرور ہی کیا جائے گا

And they assign a portion of that which We have provided them unto what they know not (false deities). By Allah, you shall certainly be questioned about (all) that you used to fabricate.

हम्या हिस्सा लगाते है जिन्हें वे जानते भी नहीं। उसका हिस्सा लगाते है जिन्हें वे जानते भी नहीं। अल्लाह की सौगंध/ तुम जो झूठ घड़ते हो उसके विषय में तुमसे अवश्य पूछा जाएगा

আর আমরা আজিতাদের যা জীবনোপকরণ
Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah
Khadija , Marium Jamela ,
4HeroXeroMassLames.....Folio.....14



দিয়েছি তা থেকে এক অংশ তারা নির্ধারিত করে,
তাদের জন্য যাদের সন্বন্ধে তারা জানে না।
আল্লাহ্ ক্রির কসম/ তোমাদের নিশ্চয়ই প্রশ্ন করা
হবে যা তোমরা উদ্ভাবন করেছিলে সে-সন্বন্ধে।

An-Nahl (16:57)

بس<u>االلهم</u> اللحمان

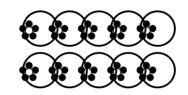
وَيَجْعَلُونَ لِلهِ ٱلْبَنْتِ سُبْحَٰنَهُۥ وَلَهُم مّا يَشْتَهُونَ

اور وہ اللہ سبحانہ وتعالیٰ کے لیے لڑکیاں مقرر کرتے ہیں اور اپنے لیے وہ جو اپنی خواہش کے مطابق ہو



और वे अल्लाह के के लिए बेटियाँ ठहराते है - महान और उच्च है वह - और अपने लिए वह, जो वे चाहें

আর তারা আল্লাহ্ তি আরোপ করে কন্যাসন্তান/
সমস্ত মহিমা তাঁরই/ - অথচ নিজেদের জন্য যা
তারা কামনা করে।



An-Nahl (16:58) بساللهم وَإِذَا بُشِرَ أَحَدُهُم بِأَلْأَنثَى ٰ ظلّ وَجْهُهُ مُسْوَدًا وَهُوَ كَظِيمٌ

ان میں سے جب کسی کو لڑکی ہونے کی خبر دی جائے تو اس کا چہرہ سیاہ ہو جاتا ہے اور دل ہی دل میں گھٹنے لگتا ہے

And when the news of (the birth of) a female

Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah

Khadija, Marium Jamela,

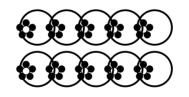
4Hero Xero Mass Lames..... Folio..... 16



(child) is brought to any of them, his face becomes dark, and he is filled with inward grief!

और जब उनमें से किसी को बेटी की शुभ सूचना मिलती है तो उसके चहरे पर कलौंस छा जाती है और वह घुटा-घुटा रहता है

আর যখন তাদের কাউকে সুসংবাদ দেয়া হয় মেয়েছেলের সন্বন্ধে তখন তার মুখমন্ডল কালো হয়ে যায়, আর সে হয় বড়ই ব্যথিত।



An-Nahl (16:59)

يَتَوْرَى مِنَ ٱلقَوْمِ مِن سُوٓءِ مَا بُشِرَ بِهِ َ النُّرَابِ أَيْمُسِكُهُۥ عَلَىٰ هُونَ أَمْ يَدُسُهُۥ فِى ٱلتُرَابِ أَلَّا سَآءَ مَا يَحْكُمُونَ أَلَّا سَآءَ مَا يَحْكُمُونَ



اس بری خبر کی وجہ سے لوگوں سے چھپا چھپا پھرتا ہے۔ سوچتا ہے کہ کیا اس کو ذلت کے ساتھ لئے ہوئے ہی رہے کیا کیا ہی / آہ،یا اسے مٹی میں دبا دے برے فیصلے کرتے ہیں؟

....he hides himself from the people because of the evil of that whereof he has been informed. Shall he keep her with dishonour or bury her in the earth? Certainly, evil is their decision.

जो शुभ सूचना उसे दी गई वह (उसकी दृष्टि में) ऐसी बुराई की बात हुई जो उसके कारण वह लोगों से छिपता फिरता है कि अपमान सहन करके उसे रहने दे या उसे मिट्टी में दबा दे। देखों, कितना बुरा फ़ैसला है जो वे करते हैं/

সে লোকেদের থেকে নিজেকে লুকোয় তাকে যে সংবাদ দেয়া হয়েছে তার গ্লানির জন্যে। সে কি



একে রাখবে হীনতা সত্ত্বেও, না তাকে পুতে ফেলবে মাটির নিচে? তারা যা সিদ্ধান্ত করে তা কি নিকৃষ্ট নয়?

An-Nahl (16:60)

لِلَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِٱلْآءَاْخِرَةِ مَثَلُ ٱلسَّوْءِ وَلِلَهِ ٱلمَثَلُ ٱلْأَعْلَىٰ وَهُوَ ٱلْعَزِيزُ ٱلْحَكِيمُ

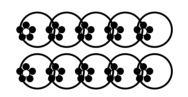
آخرت پر ایمان نہ رکھنے والوں کی ہی الله کے لیے تو بہت ہی ،بری مثال ہے وہ بڑا ہی غالب اور ،بلند صفت ہے باحکمت ہے

For those who believe not in the Hereafter is an evil description, and for Allah is the highest description. And He is is the All-Mighty, the All-Wise.



जो लोग आख़िरत को नहीं मानते बुरी मिसाल है उनकी। रहा अल्लाह, तो उसकी मिसाल अत्यन्त उच्च है। वह तो प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है

যারা পরকালে বিশ্বাস করে না তাদের গুণবত্তা নিকৃষ্ট, আর আল্লাহ্ র্ঞির হচ্ছে সর্বোন্নত গুণাবলী। আর তিনি মহাশক্তিশালী, পরমজ্ঞানী।



An-Nahl (16:61) بساللهم بساللهم

وَلُوْ يُؤَاخِدُ ٱللهُ ٱلنّاسَ بِظُلْمِهِم مَّا تَرَكَ عَلَيْهَا مِن دَآبَةٍ وَلَكِن يُؤَخِّرُهُمْ إلَى أَجَلَ مُسَمَّى فُإِدًا جَآءَ أَجَلَهُمْ لَا يَسْتَـَـٰخِرُونَ سَاعَةً وَلَا يَسْتَقْدِمُونَ



اگر لوگوں کے گناہ پر الله تعالیٰ ان
کی گرفت کرتا تو روئے زمین پر ایک
لیکن وہ تو ،بھی جاندار باقی نہ رہتا
انہیں ایک وقت مقرر تک ڈھیل دیتا
جب ان کا وہ وقت آجاتا ہے تو ،ہے
وہ ایک ساعت نہ پیچھے رہ سکتے
ہیں اور نہ آگے بڑھ سکتے ہیں

And if Allah were to seize mankind for their wrong-doing, He would not leave on it (the earth) a single moving (living) creature, but He postpones them for an appointed term and when their term comes, neither can they delay nor can they advance it an hour (or a moment).



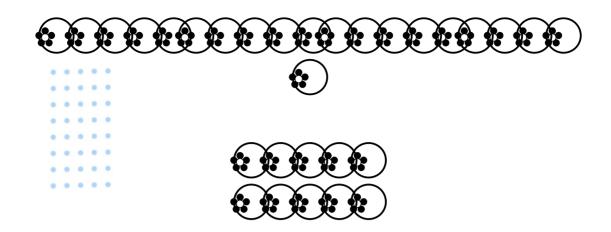
यदि अल्लाह लोगों को उनके अत्याचार पर पकड़ने ही लग जाता तो धरती पर किसी जीवधारी को न छोड़ता, किन्तु वह उन्हें एक निश्चित समय तक टाले जाता है। फिर जब उनका नियत समय आ जाता है तो वे न तो एक घड़ी पीछे हट सकते है और न आगे बढ़ सकते है

আর আল্লাহ্ যদি মানুষকে পাকড়াও করতেন তাদের অন্যায়াচারণের জন্যে তবে তিনি এর উপরে কোনো জীবজন্তুকেই রাখতেন না, কিন্তু তিনি তাদের অবকাশ দিয়ে থাকেন একটি নির্দিষ্টকাল পর্যন্ত, সেজন্যে যখন তাদের মিয়াদ এসে যায় তখন তারা ঘন্টাখানেকের জন্যেও পিছিয়ে দিতে পারে না, আর এগিয়েও আনতে পারে না।

-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-

ZAMJIR _ROAR : ALLAAHU AKBER





An-Nahl (16:62) بساراللهم بساراللهم

وَيَجْعَلُونَ لِلهِ مَا يَكْرَهُونَ وَتَصِفُ أُلسِنَتُهُمُ ٱلكذِبَ أَنَّ لَهُمُ ٱلحُسْنَى ٰ لَا جَرَمَ أَنَّ لَهُمُ ٱلنَّارَ وَأَتَهُم مُقْرَطُونَ أَنَّ لَهُمُ ٱلنَّارَ وَأَتَهُم مُقْرَطُونَ

اور وہ اپنے لیے جو ناپسند رکھتے ہیں اللہ کے لیے ثابت کرتے ہیں اور ان کی زبانیں جھوٹی باتیں بیان کرتی ہیں کہ دراصل ،ان کے لیے خوبی ہے۔ نہیں نہیں ان کے لیے آگ ہے اور یہ دوزخیوں کے ان کے لیے آگ ہے اور یہ دوزخیوں کے پیش رو ہیں

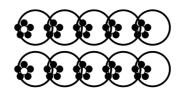


They assign to Allah that which they dislike (for themselves), and their tongues assert the falsehood that the better things will be theirs. No doubt for them is the Fire, and they will be the first to be hastened on into it, and left there neglected. (Tafsir Al-Qurtubi, Vol. 10, Page 121)

वे अल्लाह के लिए वह कुछ ठहराते हैं, जिसे ख़ुद अपने लिए नापसन्द करते हैं और उनकी ज़बाने झूठ कहती है कि उनके लिए अच्छा परिणाम है। निस्संदेह उनके लिए आग है और वे उसी में पड़े छोड़ दिए जाएँगे

আর তারা আল্লাহ্ ত আরোপ করে যা তারা অপছন্দ করে, আর তাদের জিহবা মিথ্যাকথা রচনা করে যে ভাল বিষয়বস্তু তাদের জন্যেই। সন্দেহ নেই যে তাদের জন্য রয়েছে আগুন, আর নিঃসন্দেহ তারা অচিরেই পরিত্যক্ত হবে।





An-Nahl (16:63)

تألله لقدْ أَرْسَلْنَآ إِلَى ۖ أَمْمَ مِن قَبْلِكَ فَرَبِّنَ لَهُمُ ٱلشَّيْطِنُ أَعْمَلُهُمْ فَهُوَ وَلِيُهُمُ ٱلْيَوْمَ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ

ہم نے تجھ سے پہلے کی امتوں /واللہ کی طرف بھی اپنے رسول بھیجے لیکن شیطان نے ان کے اعمال بد ان کی وہ شیطان ،نگاہوں میں آراستہ کر دیئے آج بھی ان کا رفیق بنا ہوا ہے اور ان کے لیے درد ناک عذاب ہے

By Allah , We indeed sent (Messengers) to the nations before you (O Muhammad SAW), but Shaitan (Satan) made their deeds fair-seeming to them. So he (Satan) is

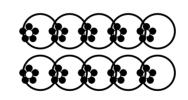


their Wali (helper) today (i.e. in this world), and theirs will be a painful torment.

.

अल्लाहॐ की सौगंध/ हम तुमसे पहले भी कितने समुदायों की ओर रसूल भेज चुके हैं, किन्तु शैतान ने उनकी करतूतों को उनके लिए सुहावना बना दिया। तो वही आज भी उनका संरक्षक है। उनके लिए तो एक दुखद यातना है

আল্লাহ্ রুর কসম/ আমরা নিশ্চয়ই তোমার আগে জাতিগুলোর কাছে রসূল পাঠিয়েছিলাম, কিন্তু শয়তান তাদের ক্রিয়াকলাপ তাদের কাছে চিত্তাকর্ষক করেছিল, সেজন্যে সে আজ তাদের মুরব্বী, আর তাদের জন্য রয়েছে মর্মন্তুদ শাস্তি।



An-Nahl (16:64)

وَمَا أَنْرَلْنَا عَلَيْكَ ٱلْكِتَٰبَ ۚ إِلَّا لِتُبَيِّنَ لَهُمُ ٱلَّذِي



ٱخْتَلَقُوا فِيهِ وَهُدًى وَرَحْمَةً لِقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ

اس کتاب کو ہم نے آپ پر اس لیے اتارا ہے کہ آپ ان کے لیے ہر اس چیز کو واضح کر دیں جس میں وہ اختلاف کر رہے ہیں اور یہ ایمان والوں کے لیے رہنمائی اور رحمت ہے

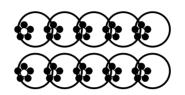
And We have not sent down the Book (this Quran) to you (O Muhammad SAW), except that you may explain clearly unto them those things in which they differ, and (as) a guidance and a mercy for a folk who believe.

हम किताब तुमपर इसीलिए अवतरित की है कि जिसमें वे विभेद कर रहे है उसे तुम उनपर स्पष्टा कर दो और यह मार्गदर्शन और दयालुता है उन लोगों के लिए जो ईमान लाएँ

আর তোমার∰ কাছে আমরা এই গ্রন্থ পাঠাই নি Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....27



এইজন্য ছাড়া যে তুমি তাদের কাছে সুস্পষ্টভাবে বর্ণনা করবে যে-বিষয়ে তারা মতভেদ করে, আর একটি পথনির্দেশ ও করুণা সেই লোকদের জন্য যারা বিশ্বাস করে।



An-Nahl (16:65) بسراللهم اللحم

وَٱللهُ أَنزَلَ مِنَ ٱلسَّمَاءِ مَاءً فَأَحْيَا بِهِ ٱلأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا إِنَّ فِى ذَٰلِكَ لَءَايَةً لِقُوْمٍ يَسْمَعُونَ

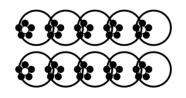
اور الله آسمان سے پانی برسا کر اس سے زمین کو اس کی موت کے بعد زندہ کر دیتا ہے۔ یقیناً اس میں ان لوگوں کے لیے نشانی ہے جو سنیں



And Allah sends down water (rain) from the sky, then He revives the earth therewith after its death. Verily, in this is a sign (clear proof) for people who listen (obey Allah.).

और अल्लाह हैं ही ने आकाश से पानी बरसाया। फिर उसके द्वारा धरती को उसके मृत हो जाने के पश्चात जीवित किया। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए बड़ी निशानी है जो सुनते है

আর আল্লাহ্ আকাশ থেকে পানি বর্ষণ করেন, আর তা দিয়ে তিনি পৃথিবীকে জীবন্ত করেন তার মৃত্যুর পরে। নিঃসন্দেহ এতে যথার্থ নিদর্শন রয়েছে সেই লোকদের জন্য যারা শোনে।



An-Nahl (16:66)



بس<u>االلهم</u> الرحمن مالرجيم

وَإِنَّ لَكُمْ فِى ٱلنَّعْمَ لَعِبْرَةً تُسْقِيكُم مِّمَا فِى بُطُونِهِ مِن بَيْنِ فُرْثٍ وَدَمَ لَبَنًا خَالِصًا سَآئِعًا لِلشَّرِبِينَ خَالِصًا سَآئِعًا لِلشَّرِبِينَ

تمہارے لیے تو چوپایوں میں بھی بڑی عبرت ہے کہ ہم تمہیں اس کے پیٹ میں جو کچھ ہے اسی میں سے گوبر اور لہو کے درمیان سے خالص دودھ پلاتے ہیں جو پینے والوں کے لیے سہتا پچتا ہے

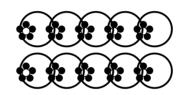
And verily! In the cattle, there is a lesson for you. We give you to drink of that which is in their bellies, from between excretions and blood, pure milk; palatable to the drinkers.

और तुम्हारे लिए चौपायों में से एक बड़ी शिक्षा-सामग्री है, जो कुछ उनके पेटों में है उसमें से गोबर और रक्त से मध्य से हम तुम्हे विशुद्ध दूध पिलाते है, जो Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio.....30



पीनेवालों के लिए अत्यन्त प्रिय है,

আর নিঃসন্দেহ গবাদি-পশুর মধ্যে তোমাদের জন্য তো শিক্ষণীয় বিষয় রয়েছে। আমরা তোমাদের পান করাই যা রয়েছে তাদের পেটের মধ্যে --গোবর ও রক্তের মধ্যে থেকে -- খাঁটি দুধ, পানকারীদের জন্য সুস্বাদু।



An-Nahl (16:70) بسااللهم بسااللهم

وَٱللهُ خَلَقَكُمْ ثُمّ يَتَوَقَّلُكُمْ وَمِنكُم مِّن يُرَدُ إِلَى أَرْدُلِ ٱلعُمُر لِكِيْ لَا يَعْلَمَ بَعْدَ يُرَدُ إِلَى أَرْدُلِ ٱلعُمُر لِكِيْ لَا يَعْلَمَ بَعْدَ عَلَم شَيْـًا إِنَّ ٱللهَ عَلِيمٌ قَدِيرٌ عِلْم شَيْـًا إِنَّ ٱللهَ عَلِيمٌ قَدِيرٌ

الله تعالیٰ نے ہی تم سب کو پیدا کیا ہے تم میں ،وہی پھر تمہیں فوت کرے گا Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....31



ایسے بھی ہیں جو بدترین عمر کی طرف لوٹائے جاتے ہیں کہ بہت کچھ جاننے بوجھنے کے بعد بھی نہ جانیں۔ بیشک الله دانا اور توانا ہے

And Allah has created you and then He will cause you to die, and of you there are some who are sent back to senility, so that they know nothing after having known (much). Truly! Allah is All-Knowing, All-Powerful.

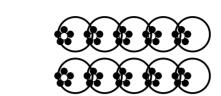
अल्लाह ने तुम्हें पैदा किया। फिर वह तुम्हारी आत्माओं को ग्रस्त कर लेता है और तुममें से कोई (बुढापे की) निकृष्ट तम अवस्था की ओर फिर जाता है, कि (परिणामस्वरूप) जानने के पश्चात फिर वह कुछ न जाने। निस्संदेह अल्लाह के सर्वज्ञ, बड़ा सामर्थ्यवान है

আর আল্লাহ্ তামাদের সৃষ্টি করেছেন, তারপর তিনি তোমাদের মৃত্যু ঘটান। আর তোমাদের মধ্যের কাউকে কাউকে আনা হয় বয়েসের অধমতম Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah

Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....32



দশায়, যার ফলে জ্ঞানলাভের পরে সে কিছুই জানে না। নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ া সর্বজ্ঞাতা, কর্মক্ষম।



An-Nahl (16:71)

بس<u>اراللهم</u> اللحمن بالمحمد

وَاللهُ فُضّلَ بَعْضَكُمْ عَلَىٰ بَعْضَ فِي الرِّرْقِ فُمَا النِينَ قُضِّلُوا بِرَادِّى رِرْقِهِمْ عَلَىٰ مِا مَلَكتْ أَيْمَنُهُمْ فُهُمْ فِيهِ سَوَآءً عَلَىٰ مَا مَلَكتْ أَيْمَنُهُمْ فُهُمْ فِيهِ سَوَآءً لَاهِ يَجْحَدُونَ أَلْهِ يَجْحَدُونَ

الله تعالیٰ ہی نے تم میں سے ایک کو دوسرے پر روزی میں زیادتی دے رکھی پس جنہیں زیادتی دی گئی ہے وہ ،ہے اپنی روزی اپنے ماتحت غلاموں کو نہیں دیتے کہ وہ اور یہ اس میں برابر ہو



تو کیا یہ لوگ الله کی نعمتوں ،جائیں کے منکر ہو رہے ہیں؟

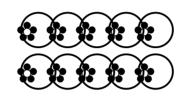
And Allah has preferred some of you above others in wealth and properties. Then, those who are preferred will by no means hand over their wealth and properties to those (slaves) whom their right hands possess, so that they may be equal with them in respect thereof. Do they then deny the Favour of Allah ?

और अल्लाह ने तुममें से किसी को किसी पर रोज़ी में बड़ाई दी है। किन्तु जिनको बड़ाई दी गई है वे ऐसे नहीं है कि अपनी रोज़ी उनकी ओर फेर दिया करते हों, जो उनके क़ब्ज़े में है कि वे सब इसमें बराबर हो जाएँ। फिर क्या अल्लाह के अनुग्रह का उन्हें इनकार है?

আর আল্লাহ্^{শুর্ক} তোমাদের কাউকে অন্য কারও উপরে জীবনোপকরণের ব্যাপারে প্রাধান্য Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....34



দিয়েছেন। তারপর যাদের প্রাধান্য দেয়া হয়েছে তারা তাদের জীবনোপকরণ দিয়ে দেয় না তাদের ডান হাত যাদের ধরে রেখেছে, যেন এরা এ বিষয়ে সমান হয়ে যায়। তবে কি আল্লাহ্ শ্রুর অনুগ্রহকে তারা অস্বীকার করে?



Al-A'raaf (7:33) بسراللهم الرحيم

قُلْ إِتَمَا حَرَّمَ رَبِّى الْفَوَّحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَمَا بَطَنَ وَالْإِثْمَ وَالْبَعْىَ بِغَيْرِ الْحَقِّ وَأَن تُشْرِكُوا بِاللهِ مَا لَمْ يُنَزِّلْ بِهِ۔ سُلُطنًا وَأَن تَقُولُوا عَلَى اللهِ مَا لَا

تعلمون



آپ فرمائیے کہ البتہ میرے رب نے صرف حرام کیا ہے ان تمام فحش باتوں کو جو علانیہ ہیں اور جو پوشیدہ ہیں اور ہر گناہ کی بات کو اور ناحق کسی پر ظلم کرنے کو اور اس بات کو کہ تم الله کے ساتھ کسی ایسی چیز کو شریک ٹھہراؤ جس کی الله نے کوئی سند نازل نہیں کی اور اس بات کو کہ تم لوگ الله کے ذمے ایسی بات لگادو جس کو تم جانتے نہیر

Say (O Muhammad SAW): "(But) the things that my Lord has indeed forbidden are Al-Fawahish (great evil sins, every kind of Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio.....36



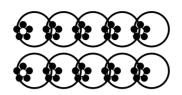
unlawful sexual intercourse, etc.) whether committed openly or secretly, sins (of all kinds), unrighteous oppression, joining partners (in worship) with Allah for which He has given no authority, and saying things about Allah of which you have no knowledge."

कह दो, "मेरे रब ने केवल अश्लील कर्मों को हराम किया है - जो उनमें से प्रकट हो उन्हें भी और जो छिपे हो उन्हें भी - और हक़ मारना, नाहक़ ज़्यादती और इस बात को कि तुम अल्लाहॐ का साझीदार ठहराओ, जिसके लिए उसने कोई प्रमाण नहीं उतारा और इस बात को भी कि तुम अल्लाहॐ पर थोपकर ऐसी बात कहो जिसका तुम्हें ज्ञान न हो।"

বলো -- 'নিঃসন্দেহ আমার প্রভু নিষিদ্ধ করেছেন অশ্লীলতা -- তার যা প্রকাশ পায় ও যা গোপন থাকে, আর পাপাচার, আর ন্যায়বিরুদ্ধ বিদ্রোহাচরণ, আর আল্লাহ্ রুর সঙ্গে তোমরা যা শরিক করো যার জন্য কোনো দলিল তিনি Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....37



অবতীর্ণ করেন নি, আর যেন তোমরা আল্লাহ্ ার্কর বিরুদ্ধে বলো যা তোমরা জানো না।"



An-Nisaa (4:36) بساراللهم الرجيم

شَيْـُا بِهِ تَشْرِكُواْ وَلَا اللّهَ وَاعْبُدُواْ وَالْيَتْمَىٰ الْقُرْبَىٰ وَبِذِى إِحْسَنًا وَبِالُولِدَيْنِ وَالْجَارِ وَالْمَسَكِينِ وَالْجَارِ وَالْمَسَكِينِ وَالْجَارِ وَالْمَسَكِينِ الْسَيلِ وَابْنِ بِالْجَنْبِ وَالْصَاحِبِ الْجُنُبِ مَن يُحِبُ لَا اللّهَ إِنّ أَيْمَنُكُمْ مَلَكَتْ وَمَا فَخُورًا مُخْتَالًا كَانَ فَخُورًا مُخْتَالًا كَانَ فَخُورًا مُخْتَالًا كَانَ

اس اور کرو عبادت کی تعالیٰ الله اور



اور کرو نہ شریک کو کسی ساتھ کے کرو واحسان سلوک ساتھ کے باپ ماں سے یتیموں اور سے داروں رشتہ اور دار قرابت اور سے مسکینوں اور اور سے ہمسایہ اجنبی اور سے ہمسایہ مسافر کے راہ اور سے ساتھی کے پہلو تمہارے مالک کے جن سے ان اور سے تعالىٰ الله يقيناً (كنيز غلام) ہيں، ہاتھ خوروں شیخی اور والوں کرنے تکبر فرماتا نہیں یسند کو

Worship Allah and join none with Him in worship, and do good to parents, kinsfolk, orphans, Al-Masakin (the poor), the neighbour who is near of kin, the neighbour who is a stranger, the companion by your



side, the wayfarer (you meet), and those (slaves) whom your right hands possess.

Verily, Allah औ does not like such as are proud and boastful;

अल्लाह की बन्दगी करो और उसके साथ किसी को साझी न बनाओ और अच्छा व्यवहार करो माँ-बाप के साथ, नातेदारों, अनाथों और मुहताजों के साथ, नातेदार पड़ोसियों के साथ और अपरिचित पड़ोसियों के साथ और साथ रहनेवाले व्यक्ति के साथ और मुसाफ़िर के साथ और उनके साथ भी जो तुम्हारे क़ब्ज़े में हों। अल्लाह ऐसे व्यक्ति को पसन्द नहीं करता, जो इतराता और डींगें मारता हो

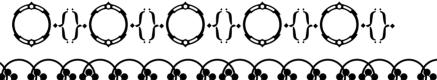
আর আল্লাহ্ র্ট্রার্টর এবাদত করো, আর তাঁর সাথে অন্য কিছু শরিক করো না, আর পিতামাতার প্রতি সদয় আচরণ করো, আর নিকটাত্মীয়দের প্রতি, আর এতীমদের আর মিসকিনদের, আর নিকট সম্পর্কের প্রতিবেশীর, আর পরকীয় প্রতিবেশীর, আর পার্শ্ববর্তী

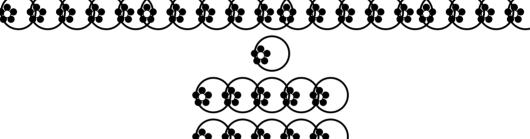


সাথীর, আর পথচারীর, আর যাকে তোমাদের ডান হাত ধরে রেখেছে। নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ জি ভালোবাসেন না তাকে যে দাম্ভিক, গর্বিত, --

-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-

ZAMJIR _ROAR: ALLAAHU AKBER





An-Nisaa (4:48)

بس<u>االلهم</u> اللحمل مدخيم

إِنَّ ٱللهَ لَا يَعْفِرُ أَن يُشْرَكَ بِهِۦ وَيَعْفِرُ مَا

دُونَ دَٰلِكَ لِمَن يَشَآءُ وَمَن يُشْرِكُ بِٱللهِ

فقد أقترَى إثمًا عَظِيمًا



یقیناً الله تعالیٰ اپنے ساتھ شریک کئے جانے کو نہیں بخشتا اور اس کے سوا جسے چاہے بخش دیتا ہے اور جو الله تعالیٰ کے ساتھ شریک مقرر کرے اس نے بہت بڑا گناہ اور بہتان باندھا

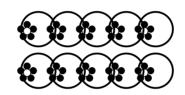
Verily, Allah forgives not that partners should be set up with him in worship, but He forgives except that (anything else) to whom He pleases, and whoever sets up partners with Allah in worship, he has indeed invented a tremendous sin.

अल्लाह इसके क्षमा नहीं करेगा कि उसका साझी ठहराया जाए। किन्तु उससे नीचे दर्जे के अपराध को जिसके लिए चाहेगा, क्षमा कर देगा और जिस किसी ने अल्लाह का साझी ठहराया, तो उसने एक बड़ा झूठ Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio..... 42



घड़ लिया

নিশ্চয়ই আল্লাহ্ ক্ষি ক্ষমা করবেন না যে, তাঁর সাথে কাউকে শরিক করা হোক, আর তা ছাড়া আর সব তিনি ক্ষমা করেন যার জন্য তিনি ইচ্ছা করেন। আর যে কেউ আল্লাহ্ ক্ষির সাথে শরিক করে সে তাহলে উদ্ভাবন করেছে বিরাট পাপ।



An-Nisaa (4:116)

بس<u>االله</u>م الرحمن مممم

إِنَّ ٱللهَ لَا يَعْفِرُ أَن يُشْرَكَ بِهِۦ وَيَعْفِرُ مَا دُونَ دَٰلِكَ لِمَن يَشَآءُ وَمَن يُشْرِكُ بِٱللهِ

فقد ضل ضللًا بعيدًا

اسے الله تعالیٰ قطعاً نہ بخشے گا کہ



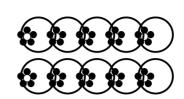
،اس کے ساتھ شرک مقرر کیا جائے ہاں شرک کے علاوہ گناہ جس کے چاہے معاف فرما دیتا ہے اور الله کے ساتھ شریک کرنے والا بہت دور کی گمراہی میں جا پڑا

Verily! Allah strongives not (the sin of) setting up partners in worship with Him strong but He forgives whom he pleases sins other than that, and whoever sets up partners in worship with Allah has indeed strayed far away.

निस्संदेह अल्लाह इस चीज़ को क्षमा नहीं करेगा कि उसके साथ किसी को शामिल किया जाए। हाँ, इससे नीचे दर्जे के अपराध को, जिसके लिए चाहेगा, क्षमा कर देगा। जो अल्लाह के साथ किसी को साझी ठहराता है, तो वह भटककर बहुत दूर जा पड़ा







Al-Maaida (5:72)

بس<u>ارالله</u>م الرحيم الرحيم

لقدْ كَفَرَ ٱلذِينَ قَالُوٓا إِنَّ ٱللهَ هُوَ ٱلْمَسِيحُ الْبُنُ مَرْيَمَ وَقَالَ ٱلْمَسِيحُ يَبْنِي َ إِسْرَّءِيلَ اَعْبُدُوا ٱللهَ رَبِّي وَرَبَكُمْ إِنّهُ مَن يُشْرِكُ إِنّهُ مَن يُشْرِكُ بَاللهِ فَقَدْ حَرَّمَ ٱللهُ عَلَيْهِ ٱلْجَنّةَ وَمَأُونَهُ بَاللهِ فَقَدْ حَرَّمَ ٱللهُ عَلَيْهِ ٱلْجَنّة وَمَأُونَهُ إِللهِ فَقَدْ حَرَّمَ ٱللهُ عَلَيْهِ ٱلْجَنّة وَمَأُونَهُ إِللهِ فَقَدْ حَرَّمَ ٱللهُ عَلَيْهِ ٱلْجَنّة وَمَأُونَهُ إِللهِ فَقَدْ حَرَّمَ الله لِظلِمِينَ مِنْ أَنصَارٍ إِلنَّارُ وَمَا لِلظلِمِينَ مِنْ أَنصَارٍ

بے شک وہ لوگ کافر ہوگئے جن کا قول ہے کہ مسیح ابن مریم ہی الله ہے حالانکہ خود مسیح نے ان سے کہا Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames....Folio....45



الله ہی کی /تھا کہ اے بنی اسرائیل عبادت کرو جو میرا اور تمہارا سب کا یقین مانو کہ جو شخص الله ،رب ہے کے ساتھ شریک کرتا ہے الله تعالیٰ نے اس کا ،اس پر جنت حرام کر دی ہے ٹھکانہ جہنم ہی ہے اور گنہگاروں کی مدد کرنے والا کوئی نہیں ہوگا

Surely, they have disbelieved who say:

"Allah "is the Messiah [Tesa (Jesus)], son
of Maryam (Mary)." But the Messiah [Tesa
(Jesus)] said: "O Children of Israel!

Worship Allah ", my Lord "and your

Lord." Verily, whosoever sets up partners
in worship with Allah, then Allah has
forbidden Paradise for him, and the Fire
will be his abode. And for the Zalimun

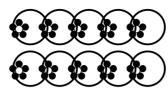


(polytheists and wrong-doers) there are no helpers.

निश्चय ही उन्होंने (सत्य का) इनकार किया, जिन्होंने कहा, "अल्लाह किमरयम का बेटा मसीह ही है।" जब मसीह ने कहा था, "ऐ इसराईल की सन्तान! अल्लाह की बन्दगी करो, जो मेरा भी रब है और तुम्हारा भी रब है। जो कोई अल्लाह किं का साझी ठहराएगा, उसपर तो अल्लाह ने जन्नत हराम कर दी है और उसका ठिकाना आग है। अत्याचारियों को कोई सहायक नहीं।"

নিশ্চয়ই তারা অবিশ্বাস পোষণ করে থাকে যারা বলে — নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ ি তিনিই মসীহ্ মরিয়মের পুত্র। অথচ মসীহ্ বলেছেন — হে ইসরাইলের বংশধরগণ/ আল্লাহ্ ি র এবাদত করো যিনি আমার প্রভু ও তোমাদেরও প্রভু। নিঃসন্দেহ যে আল্লাহ্র সঙ্গে অংশীদার নিরূপণ করে, আল্লাহ্ নিশ্চয়ই তার জন্য নিষিদ্ধ করেছেন স্বর্গোদ্যান, আর তার আবাসস্থল হচ্ছে আগুন। আর অন্যায়কারীদের জন্য থাকবে না কোনো সাহায্যকারী।







Al-An'aam (6:151)

بس<u>االلهم</u> الرحيم الرحيم

قلْ تعَالُوا أَتلُ مَا حَرَّمَ رَبُكُمْ عَلَيْكُمْ أَلَا تَشْرِكُوا بِهِ شَيْءًا وَبِالْوَلِدَيْنِ إِحْسَنًا وَلَا تَقْتُلُوا أُولَدَكُم مِنْ إِمْلُقَ تَحْنُ نَرْرُقُكُمْ وَإِيَّاهُمْ وَلَا تَقْرَبُوا الْفَوْحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَمَا بَطَنَ وَلَا تَقْتُلُوا الْفَوْحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَمَا بَطَنَ وَلَا تَقْتُلُوا الْنَقْسَ الَّتِي حَرِّمَ وَمَا بَلُهُ إِلَا بِالْحَقِ دَلِكُمْ وَصَلَّكُم بِهِ لِعَلَكُمْ اللّهُ إِلّا بِالْحَقِ دَلِكُمْ وَصَلَّكُم بِهِ لِعَلَكُمْ تَعْقِلُونَ لَا تَعْقِلُونَ وَلَا تَعْقِلُونَ وَسَلَّكُم بِهِ لِعَلَّكُمْ لَيْ فَاكُمْ لَا فَالِكُمْ وَصَلَّكُم بِهِ لِعَلَّكُمْ لَيْ لَكُمْ وَصَلَّكُم بِهِ لِعَلّكُمْ لَيْ لَكُمْ وَصَلَّكُم بِهِ لِعَلَّكُمْ لَيْ لَكُمْ وَصَلَّكُمْ بِهِ لَعْلَكُمْ لَيْ وَصَلَّكُم بِهِ لَعْلَكُمْ لَيْ فَالْكُمْ لَيْ فَاكُمْ لَيْ فَالْكُمْ وَصَلَّكُمْ بِهِ لَعْلَكُمْ لَيْ فَالْكُمْ وَصَلَّكُمْ بِهِ لِللَّهُ لِللَّهُ إِلَّا بِالْحَقِ قَلُونَ وَلَا تَعْقِلُونَ وَلَا تَعْقِلُونَ وَلَا لَا فَاللَّهُ اللَّهُ اللّهُ اللّهُ

آپ کہیے کہ آؤ میں تم کو وہ چیزیں



یعنی جن کی) پڑھ کر سناؤں جن کو تمہارے رب نے تم پر (مخالفت وہ یہ کہ الله کے ،حرام فرما دیا ہے ساتھ کسی چیز کو شریک مت ٹھہراؤ اور ماں باپ کے ساتھ احسان کرو اور اپنی اولاد کو افلاس کے سبب قتل مت کرو۔ ہم تم کو اور ان کو رزق دیتے ہیں اور بے حیائی کے جتنے طریقے ہیں ان کے پاس بھی مت جاؤ اور ،خواه علانیہ ہوں خواہ پوشیدہ جس کا خون کرنا الله تعالیٰ نے حرام ہاں ،کردیا ہے اس کو قتل مت کرو مگر حق کے ساتھ ان کا تم کو تاکیدی حکم دیا ہے تاکہ تم سمجھو Let AlQuran Speak, Wake UpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....49



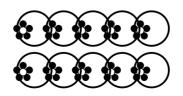
Say (O Muhammad SAW): "Come, I will recite what your Lord has prohibited you from: Join not anything in worship with Him; be good and dutiful to your parents; kill not your children because of poverty—We provide sustenance for you and for them; come not near to Al-Fawahish (shameful sins, illegal sexual intercourse, etc.) whether committed openly or secretly, and kill not anyone whom Allah has forbidden, except for a just cause (according to Islamic law). This He has commanded you that you may understand.

कह दो, "आओ, मैं तुम्हें सुनाऊँ कि तुम्हारे रब हैं ने तुम्हारे ऊपर क्या पाबन्दियाँ लगाई है: यह कि किसी चीज़ को उसका साझीदार न ठहराओ और माँ-बाप के साथ सद्ध्य वहार करो और निर्धनता के कारण अपनी सन्तान की हत्या न करो; हम हैं तुम्हें भी रोज़ी देते है और उन्हें भी। और अश्लील बातों के निकट न जाओ,



चाहे वे खुली हुई हों या छिपी हुई हो। और किसी जीव की, जिसे अल्लाह किने आदरणीय ठहराया है, हत्या न करो। यह और बात है कि हक़ के लिए ऐसा करना पड़े। ये बाते हैं, जिनकी ताकीद उसने तुम्हें की है, शायद कि तुम बुद्धि से काम लो।

বলো — "এসো আমি বাতলে দিই তোমাদের প্রভু তোমাদের জন্য কি নিষেধ করেছেন, — তোমরা তাঁর সঙ্গে অন্য কিছু শরিক করো না, আর পিতা–মাতার প্রতি সদ্যুবহার, আর তোমাদের সন্তানদের তোমরা হত্যা করো না দারিদ্রের কারণে," — আমারাই জীবিকা দিই তোমাদের ও তাদেরও, — "আর অঞ্লিলতার ধারে–কাছেও যেও না তার যা প্রকাশ পায় ও যা গোপন থাকে, আর তেমন কোনো লোককে হত্যা করো না যাকে আল্লাহ্ নিষেধ করেছেন, — যথাযথ কারণ ব্যতীত। এইসব দিয়ে তিনি তোমাদের আদেশ জারি করেছেন, যেন তোমরা বুঝতে পারো।





Al-Kahf (18:110) بسرواللهم الرحيم

قُلْ إِتَمَا أَنَا بَشَرٌ مِّثْلُكُمْ يُوحَى َ إِلَى أَنَمَا إِلَهُكُمْ إِلَهُ وَحِدٌ فَمَن كَانَ يَرْجُوا لِقَاءَ إِلَهُكُمْ إِلَهُ وَحِدٌ فَمَن كَانَ يَرْجُوا لِقَاءَ رَبِّهِ ـ فَلْيَعْمَلْ عَمَلًا صَلِحًا وَلَا يُشْرِكْ بِعِبَادَة رَبِّهِ ـ أَحَدًا

آپ کہہ دیجئے کہ میں تو تم جیسا میری جانب (ہاں) ہی ایک انسان ہوں۔ وحی کی جاتی ہے کہ سب کا معبود تو جسے ،صرف ایک ہی معبود ہے بھی اپنے پروردگار سے ملنے کی آرزو ہو اسے چاہئے کہ نیک اعمال کرے اور



اپنے پروردگار کی عبادت میں کسی کو بھی شریک نہ کرے

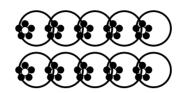
Say (O Muhammad SAW): "I am only a man like you. It has been inspired to me that your Ilah (God) is One Ilah (God i.e. Allah). So whoever hopes for the Meeting with his Lord , let him work righteousness and associate none as a partner in the worship of his Lord ."

कह दो, 'मैं तो केवल तुम्हीं जैसा मनुष्य हूँ। मेरी ओर प्रकाशना की जाती है कि तुम्हारा पूज्य-प्रभु बस अकेला الله है। अतः जो कोई अपने रब से मिलन की आशा रखता हो, उसे चाहिए कि अच्छा कर्म करे और अपने रब कि कि बन्दगी में किसी को साझी न बनाए।"

বলো __ "আমি নিঃসন্দেহ তোমাদেরই মতন একজন মানুষ, আমার কাছে প্রত্যাদিষ্ট হয়েছে Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....53



যে নিঃসন্দেহ তোমাদের উপাস্য একক উপাস্য, সেজন্য যে কেউ তার প্রভুর সঙ্গে সঙ্গে মুলাকাতের কামনা করে সে তবে সৎকর্ম করুক এবং তার প্রভুর উপাসনায় অন্য কাউকেও শরীক না করুক।"



Al-Hajj (22:31) بساللهم الرجيم

حُنَفَآءَ لِلهِ غَیْرَ مُشْرِکِینَ ہِهِ۔ وَمَن یُشْرِكُ بِاللهِ فَكَأْتُمَا خَرِّ مِنَ السَّمَآءِ فَتَخْطُفُهُ الطیْرُ أَوْ تَهْوی بِهِ الرِّیحُ فِی مَکانِ الطیْرُ أَوْ تَهْوی بِهِ الرِّیحُ فِی مَکانِ

سَحِيق

الله کی توحید کو مانتے ہوئے اس کے ساتھ کسی کو شریک نہ کرتے ہوئے۔ Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....54



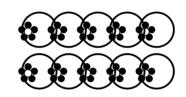
الله کے ساتھ شریک کرنے والا /سنو اب یا تو اسے ،گویا آسمان سے گر پڑا پرندے اچک لے جائیں گے یا ہوا کسی دور دراز کی جگہ پھینک دے گی

Hunafa'a Lillah (i.e. to worship none but Allah), not associating partners (in worship, etc.) unto Him and whoever assigns partners to Allah it is as if he had fallen from the sky, and the birds had snatched him, or the wind had thrown him to a far off place.

इस तरह कि अल्लाह हैं ही की ओर के होकर रहो। उसके साथ किसी को साझी न ठहराओ, क्योंकि जो कोई अल्लाह के के साथ साझी ठहराता है तो मानो वह आकाश से गिर पड़ा। फिर चाहे उसे पक्षी उचक ले जाएँ या वायु उसे किसी दूरवर्ती स्थान पर फेंक दे



আল্লাহ্ ক্রির প্রতি একনিষ্ঠ হয়ে, তাঁর সঙ্গে কোনো অংশী আরোপ না করে। আর যে কেউ আল্লাহ্ র সঙ্গে অংশী দাঁড় করায় সে যেন তাহলে আকাশ থেকে পড়ল, তখন পাখিরা তাকে ছোঁ মেরে নিয়ে যায়, অথবা বায়ুপ্রবাহ তাকে উড়িয়ে নিয়ে যায় এক দূরবর্তী স্থানে।



An-Nahl (16:72)

بس<u>االلهم</u> الرحمن مرکبیم

وَأَلِلهُ جَعَلَ لَكُم مِنْ أَنْفُسِكُمْ أَزُوْجًا وَجَعَلَ لَكُم مِنْ أَزُوْجِكُم بَنِينَ وَحَفَدَةً وَرَزَقُكُم مِنَ ٱلطَيِّبَٰتِ أَفْبِالْبِطْلِ يُؤْمِنُونَ

وَبِنِعْمَتِ ٱللهِ هُمْ يَكَفُرُونَ



الله تعالیٰ نے تمہارے لیے تم میں سے ہی تمہاری بیویاں پیدا کیں اور تمہاری بیویوں سے تمہارے لیے تمہارے بیٹے اور پوتے پیدا کیے اور تمہیں اچھی اچھی چیزیں کھانے کو دیں۔ کیا پھر بھی لوگ باطل پر ایمان لائیں گے؟ اور الله تعالیٰ کی نعمتوں کی ناشکری کریں گے؟

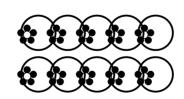
And Allah has made for you wives of your own kind, and has made for you, from your wives, sons and grandsons, and has bestowed on you good provision. Do they then believe in false deities and deny the Favour of Allah has (by not worshipping Allah)



Alone).

और अल्लाह हैं ही ने तुम्हारे लिए तुम्हारी सहजाति पत्नियों बनाई और तुम्हारी पत्नियों से तुम्हारे लिए पुत्र और पौत्र पैदा किए और तुम्हे अच्छी पाक चीज़ों की रोज़ी प्रदान की; तो क्या वे मिथ्या को मानते है और अल्लाह

আর আল্লাহ ক্রি তোমাদের জন্য তোমাদের নিজেদের থেকে জোড়া সৃষ্টি করেছেন, আর তোমাদের যুগল থেকে তোমাদের জন্য দিয়েছেন সন্তানসন্ততি ও নাতি-নাতনী, আর তোমাদের রিযেক দান করেছেন উত্তম জিনিস থেকে। তবে কি তারা মিথ্যাতে বিশ্বাস করে এবং আল্লাহ্ ক্রির



An-Nahl (16:73)



بس<u>االلهم</u> الرحيم الرحيم

وَيَعْبُدُونَ مِن دُونِ ٱللهِ مَا لَا يَمْلِكُ لَهُمْ رِزْقًا مِّنَ ٱلسَّمُوٰتِ وَٱلأَرْضِ شَيْـُــًا وَلَا يَسْتَطِيعُونَ

اور وہ الله تعالیٰ کے سوا ان کی عبادت کرتے ہیں جو آسمانوں اور زمین سے انہیں کچھ بھی تو روزی نہیں دے سکتے اور نہ کچھ قدرت رکھتے ہیں

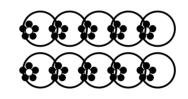
And they worship others besides Allah , such as do not and cannot own any provision for them from the heavens or the earth.

और अल्लाह र्र्थें से हटकर उन्हें पूजते हैं, जिन्हें Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....59



आकाशों और धरती से रोज़ी प्रदान करने का कुछ भी अधिकार प्राप्त नहीं है और न उन्हें कोई सामर्थ्य ही प्राप्त है

আর তারা উপাসনা করে আল্লাহ্ কি কে ছেড়ে দিয়ে তাদের যারা একটুকুও ক্ষমতা রাখে না মহাকাশমন্ডলী ও পৃথিবী থেকে আসা রিযেকের উপরে, আর তারা কোনো ক্ষমতা রাখে না।



An-Nahl (16:74)

بس<u>االلهم</u> الرحيمان مركب

فَلَا تَضْرِبُوا لِلهِ ٱلْأَمْثَالَ إِنَّ ٱللهَ يَعْلَمُ وَأَنتُمْ لَا تَعْلَمُونَ

پس الله تعالیٰ کے لیے مثالیں مت بناؤ



ب				•	ور	او	ہے	تا	جان	(وب	خر	١	الو	تع	4	الله
•	•	•	•					اتنے	جان								
•	•	•	•	•													

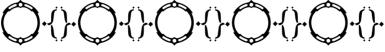
So put not forward similitudes for Allah (as there is nothing similar to Him), nor He resembles anything). Truly! Allah knows and you know not.

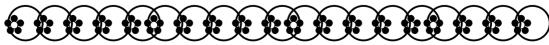
अतः अल्लाह के लिए मिसालें न घड़ो। जानता अल्लाह है, तुम नहीं जानते

অতএব আল্লাহ্ া র সঙ্গে কোনো সদৃশ স্থির করো না। নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ জানেন আর তোমরা জান না।

-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-

ZAMJIR _ROAR : ALLAAHU AKBER

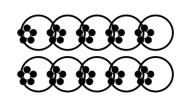












An-Nahl (16:75)

بس<u>ارالله</u>م الرجمن الرجيم

ضَرَبَ أَللهُ مَثَلًا عَبْدًا مَمْلُوكًا لَا يَقْدِرُ عَلَىٰ شَىْءِ وَمَن رَزَقْنَهُ مِنّا رِزْقًا حَسَنًا فَهُوَ يُنفِقُ مِنْهُ سِرًا وَجَهْرًا هَلْ يَسْتَوُنَ أَلْحَمْدُ لِلهِ بَلْ أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ الْحَمْدُ لِلهِ بَلْ أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ

الله تعالیٰ ایک مثال بیان فرماتا ہے کہ ،ایک غلام ہے دوسرے کی ملکیت کا جو کسی بات کا اختیار نہیں رکھتا ہور ایک اور شخص ہے جسے ہم نے لور ایک اور شخص ہے جسے ہم نے Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....62



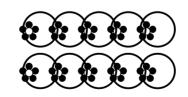
اپنے پاس سے معقول روزی دے رکھی جس میں سے وہ چھپے کھلے ،ہے خرچ کرتا ہے۔ کیا یہ سب برابر ہوسکتے ہیں؟ الله تعالیٰ ہی کے لیے بلکہ ان میں سے اکثر ،سب تعریف ہے بلکہ ان میں سے اکثر ،سب تعریف ہے نہیں جانتے

Allah puts forward the example (of two men a believer and a disbeliever); a slave (disbeliever) under the possession of another, he has no power of any sort, and (the other), a man (believer) on whom We have bestowed a good provision from Us and he spends thereof secretly and openly. Can they be equal? (By no means, not). All the praises and thanks be to Allah. Nay! (But) most of them know not.



अल्लाह ने एक मिसाल पेश की हैं एक ग़ुलाम हैं, जिसपर दूसरे का अधिकार हैं, उसे किसी चीज़ पर अधिकार प्राप्त नहीं। इसके विपरीत एक वह व्यक्ति हैं, जिसे हमने अपनी ओर से अच्छी रोज़ी प्रदान की हैं, फिर वह उसमें से खुले और छिपे ख़र्च करता है। तो क्या वे परस्पर समान हैं? प्रशंसा अल्लाह के के लिए हैं/ किन्तु उनमें अधिकतर लोग जानते नहीं

আল্লাহ্ উর্মি উপমা দিচ্ছেন অপরের অধিকারভুক্ত
একজন দাসের — কোনো-কিছুর উপরে সে
ক্ষমতা রাখে না, আর এমন এক ব্যক্তির যাকে
আমাদের তরফ থেকে উত্তম জীবিকা দিয়ে আমরা
ভরণপোষণ করেছি, সুতরাং সে তা থেকে গোপনে
ও প্রকাশ্যে খরচ করে। তারা কি সমান-সমান?
সমস্ত প্রশংসা আল্লাহ্ উর্মির। কিন্তু তাদের
অধিকাংশই জানে না।



An-Nahl (16:76)



بس<u>االلهم</u> الرحمن

وَضَرَبَ ٱللهُ مَثَا رَجُلِيْنِ أَحَدُهُمَآ أَبْكُمُ لَا يَقْدِرُ عَلَىٰ شَىْءٍ وَهُوَ كُلُّ عَلَىٰ مَوْلُلهُ أَيْنَمَا يُوَجِّههُ لَا يَأْتِ بِخَيْرٍ هَلْ يَسْتَوى أَيْنَمَا يُوَجِّههُ لَا يَأْتِ بِخَيْرٍ هَلْ يَسْتَوى هُوَ وَمَن يَأْمُرُ بِٱلْعَدْلِ وَهُوَ عَلَىٰ صِرَاطٍ هُوَ وَمَن يَأْمُرُ بِٱلْعَدْلِ وَهُوَ عَلَىٰ صِرَاطٍ

مُسْتَقِيم

الله تعالیٰ ایک اور مثال بیان فرماتا جن میں سے ، دو شخصوں کی،ہے ایک تو گونگا ہے اور کسی چیز پر اختیار نہیں رکھتا بلکہ وہ اپنے مالک پر بوجھ ہے کہیں بھی اسے بھیجے کیں بھی اسے بھیجے کیا یہ اور ،وہ کوئی بھلائی نہیں لاتا وہ جو عدل کا حکم دیتا ہے اور ہے Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio......65



برابر ہوسکتے ہیں،بھی سیدھی راہ پر ب

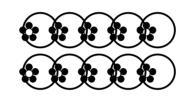
And Allah puts forward (another) example of two men, one of them dumb, who has no power over anything (disbeliever), and he is a burden to his master, whichever way he directs him, he brings no good. Is such a man equal to one (believer in the Islamic Monotheism) who commands justice, and is himself on a Straight Path?

अल्लाह में ने एक और मिसाल पेश की हैं दो व्यक्ति है। उनमें से एक गूँगा है। किसी चीज़ पर उसे अधिकार प्राप्त नहीं। वह अपने स्वामी पर एक बोझ है - उसे वह जहाँ भेजता है, कुछ भला करके नहीं लाता। क्या वह और जो न्याय का आदेश देता है और स्वयं भी सीधे मार्ग पर है वह, समान हो सकते है?

আল্লাহ্ ্ৰি আরো উপমা দিচ্ছেন দুইজন লোকের
Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah
Khadija , Marium Jamela ,
4HeroXeroMassLames.....Folio.....66



ন্দ তাদের একজন বোবা, কোনোনকিছুতেই সে
ক্ষমতা রাখে না, সে তার মনিবের উপরে একটি বোঝা, তাকে যেখানেই পাঠানো হোক না কেন সে ভাল কিছুই আনতে পারে না। সে এবং সেইব্যক্তি যিনি ন্যায়বিচারের নির্দেশ দেন তারা কি সমান-সমান, আর তিনি রয়েছেন সহজ-সঠিক পথে?



An-Nahl (16:77)

بس<u>االلهم</u> الرحمن ملاحمه

وَلِلهِ غَيْبُ ٱلسَّمُوٰتِ وَٱلأَرْضِ وَمَآ أَمْرُ ٱلسَّاعَةِ إِلَّا كَلَمْحِ ٱلْبَصَرِ أَوْ هُوَ أَقْرَبُ إِنَّ اللهَ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ قَدِيرٌ ٱللهَ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ قَدِيرٌ

آسمانوں اور زمین کا غیب صرف الله Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....67



تعالیٰ ہی کو معلوم ہے۔ اور قیامت کا امر تو ایسا ہی ہے جیسے آنکھ کا بلکہ اس سے بھی زیادہ قریب،جھپکنا ۔ بیشک الله تعالیٰ ہر چیز پر قادر ہے ۔

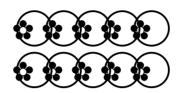
And to Allah belongs the unseen of the heavens and the earth. And the matter of the Hour is not but as a twinkling of the eye, or even nearer. Truly! Allah is Able to do all things.

आकाशों और धरती के रहस्यों का सम्बन्ध अल्लाह हैं ही से है। और उस क़ियामत की घड़ी का मामला तो बस ऐसा है जैसे आँखों का झपकना या वह इससे भी अधिक निकट है। निश्चय ही अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्ती है

আর মহাকাশমন্ডলী ও পৃথিবীর অদৃশ্য বিষয়



আল্লাহ্ রির্না আর সেই ঘড়িঘন্টার ব্যাপার তো চোখের পলক বা তার চাইতেও নিকটতর বৈ নয়। নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ সব-কিছুর উপরে সর্বশক্তিমান।



An-Nahl (16:78)

بس<u>االلهم</u> الرحجمن مركجيم

وَٱللهُ أَخْرَجَكُم مِّنَ بُطُونِ أُمِّهَٰتِكُمْ لَا تعْلَمُونَ شَيْـًا وَجَعَلَ لَكُمُ ٱلسَّمْعَ وَٱلْأَبْصَرَ وَٱللَّفْدُدَةَ لَعَلَكُمْ تَشْكُرُونَ

الله تعالیٰ نے تمہیں تمہاری ماؤں کے پیٹوں سے نکالا ہے کہ اس وقت تم اسی نے ،کچھ بھی نہیں جانتے تھے لحد AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames....Folio.....69

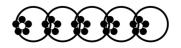


تمہارے کان اور آنکھیں اور دل بنائے کہ تم شکر گزاری کرو

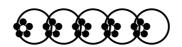
And Allah has brought you out from the wombs of your mothers while you know nothing. And He gave you hearing, sight, and hearts that you might give thanks (to Allah).

अल्लाह ने तुम्हें तुम्हारी माँओ के पेट से इस दशा में निकाला कि तुम कुछ जानते न थे। उसने तुम्हें कान, आँखें और दिल दिए, ताकि तुम कृतज्ञता दिखलाओ

আর আল্লাহ্ তি তামাদের নির্গত করেছেন তোমাদের মায়েদের গর্ভ থেকে, তোমরা কিছুই জানতে না, আর তোমাদের জন্য তিনি দিয়েছেন শ্রবণশক্তি ও দৃষ্টিশক্তি ও অন্তঃকরণ, যেন তোমরা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করো।







An-Nahl (16:79)

بس<u>االلهم</u> الرحمن مرحيم

أَلَمْ يَرَوْا إِلَى ٱلطَيْرِ مُسَخَرَّتٍ فِى جَوِّ ٱلسَّمَآءِ مَا يُمْسِكُهُنَّ إِلَّا ٱللهُ إِنَّ فِى دَٰلِكَ لَاءَايْتٍ لِقَوْمٍ يُؤْمِنُون

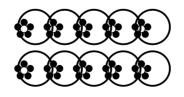
کیا ان لوگوں نے پرندوں کو نہیں دیکھا جو تابع فرمان ہو کر فضا میں جنہیں بجز الله تعالیٰ کے کوئی ،ہیں بیشک اس میں ،اور تھامے ہوئے نہیں ایمان لانے والے لوگوں کے لیے بڑی نشانیاں ہیں نشانیاں ہیں



Do they not see the birds held (flying) in the midst of the sky? None holds them but Allah [none gave them the ability to fly but Allah]. Verily, in this are clear proofs and signs for people who believe (in the Oneness of Allah].

क्या उन्होंने पक्षियों को नभ मंडल में वशीभूत नहीं देखा? उन्हें तो बस अल्लाह हैं ही थामें हुए होता है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए कितनी ही निशानियाँ है जो ईमान लाएँ

তারা কি পাখিদের লক্ষ্য করে না — আকাশের শূন্যগর্ভে ভাসমান? আল্লাহ্ ছাড়া আর কেউ ওদের ধরে রাখে না। নিঃসন্দেহ এতে প্রকৃত নিদর্শন রয়েছে সেই লোকদের জন্য যারা বিশ্বাস করে।





An-Nahl (16:80)

بس<u>االلهم</u> الرحمن مالرجيم

وَٱللهُ جَعَلَ لَكُم مِّنَ بِيُوتِكُمْ سَكنًا وَجَعَلَ لَكُم مِّن جُلُودِ ٱلْأَنْعُم بِيُوتًا تَسْتَخِقُونَهَا يَوْمَ ظَعْنِكُمْ وَيَوْمَ إِقَامَتِكُمْ وَمِنْ يَوْمَ ظَعْنِكُمْ وَيَوْمَ إِقَامَتِكُمْ وَمِنْ أَصْوَافِهَا وَأُوْبَارِهَا وَأَشْعَارِهَا أَثْثًا وَمَتَّعًا إلى حِينٍ

اور الله تعالیٰ نے تمہارے لیے تمہارے گھروں میں سکونت کی جگہ بنا دی ہے اور اسی نے تمہارے لیے چوپایوں ،کی کھالوں کے گھر بنا دیے ہیں جنہیں تم ہلکا پھلکا پاتے ہو اپنے کوچ ،کے دن اور اپنے ٹھہرنے کے دن بھی



اور ان کی اون اور روؤں اور بالوں سے بھی اس نے بہت سے سامان اور ایک وقت مقررہ تک کے لیے فائدہ کی چیزیں بنائیں

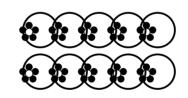
And Allah has made for you in your homes an abode, and made for you out of the hides of the cattle (tents for) dwelling, which you find so light (and handy) when you travel and when you stay (in your travels), and of their wool, fur, and hair (sheep wool, camel fur, and goat hair), a furnishing and articles of convenience (e.g. carpets, blankets, etc.), a comfort for a while.

और अल्लाह ने तुम्हारे घरों को तुम्हारे लिए टिकने की जगह बनाया है और जानवरों की खालों से भी तुम्हारे लिए घर बनाए - जिन्हें तुम अपनी यात्रा के दिन और अपने ठहरने के दिन हल्का-फुलका पाते हो



- और एक अवधि के लिए उनके ऊन, उनके लोमचर्म और उनके बालों से कितने ही सामान और बरतने की चीज़े बनाई

আর আল্লাহ্ তামাদের বাড়িঘরে তোমাদের জন্য আবাসস্থল বানিয়েছেন, আর গবাদি-পশুর চামড়া থেকে তোমাদের জন্য ঘর বানিয়েছেন যা তোমাদের যাত্রার দিনে তোমরা হালকা বোধ কর, আর তোমাদের অবস্থানের দিনেও, আর তাদের পশম ও তাদের লোমশ চামড়া ও তাদের চুল থেকে রয়েছে গৃহস্থালী-বস্তু ও কিছুকালের জন্য উপভোগ-সামগ্রী।



An-Nahl (16:81)



وَأَللهُ جَعَلَ لَكُم مِمّا خَلْقَ ظِلًّا وَجَعَلَ



لكم مِنَ ٱلجِبَالِ أَكَنْنًا وَجَعَلَ لَكُمْ سَرَبِيلَ تقِيكُمُ ٱلحَرِّ وَسَرَبِيلَ تقِيكُم بَأْسَكُمْ كَتَّلِكَ يُتِمُ نِعْمَتَهُۥ عَلَيْكُمْ لَعَلَكُمْ تُسْلِمُونَ

الله ہی نے تمہارے لیے اپنی پیدا کردہ چیزوں میں سے سائے بنائے ہیں اور اسی نے تمہارے لیے بنائے ہیں اور بنائے ہیں اور اسی نے تمہارے لیے کرتے بنائے ہیں جو تمہیں گرمی سے بچائیں اور ایسے کرتے بھی جو تمہیں لڑائی کے وقت کام آئیں۔ وہ اسی طرح اپنی پوری پوری نعمتیں دے رہا ہے کہ تم حکم بردار بن جاؤ



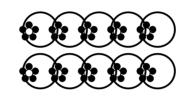
And Allah has made for you out of that which He has created shades, and has made for you places of refuge in the mountains, and has made for you garments to protect you from the heat (and cold), and coats of mail to protect you from your (mutual) violence. Thus does He perfect His Grace unto you, that you may submit yourselves to His Will (in Islam).

और अल्लाह ने तुम्हारे लिए अपनी पैदा की हुई चीज़ों से छाँवों का प्रबन्ध किया और पहाड़ो में तुम्हारे लिए छिपने के स्थान बनाए और तुम्हें लिबास दिए जो गर्मी से बचाते है और कुछ अन्य Armour वस्त्र भी दिए जो तुम्हारी लड़ाई में तुम्हारे लिए बचाव का काम करते है। इस प्रकार वह कि तुमपर अपनी नेमत पूरी करता है, ताकि तुम आज्ञाकारी बनो

আর তিনি যা সৃষ্টি করেছেন তা থেকে আল্লাহ্ জির্ তোমাদের জন্য বানিয়েছেন ছায়া, আর পাহাড়ের মধ্যে তোমাদের জন্য তিনি বানিয়েছেন আশ্রয়স্থল,



আর তোমাদের জন্য তিনি ব্যবস্থা করেছেন পোশাক যা তোমাদের রক্ষা করে গরম থেকে, আর বর্ম যা তোমাদের রক্ষা করে তোমাদের নিম্মান্যযুদ্ধবিগ্রহে। এইভাবে তিনি তোমাদের প্রতি তাঁর অনুগ্রহ পরিপূর্ণ করেছেন যেন তোমরা আত্মসমর্পণ করো।



An-Nahl (16:82)

بس<u>االلهم</u> اللحجمن ملاحجيم

فإن تولوا فإتما عليك ألبلغ ألمبين

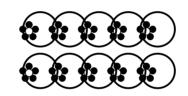
پھر بھی اگر یہ منھ موڑے رہیں تو آپ پر صرف کھول کر تبلیغ کر دینا ہی ہے



Then, if they turn away, your duty (O Muhammad SAW) is only to convey (the Message) in a clear way.

फिर यदि वे मुँह मोड़ते है तो तुम्हारा दायित्व तो केवल साफ़-साफ़ सन्देश पहुँचा देना है

কিন্তু যদি তারা ফিরে যায় তবে তোমার উপরে তো দায়িত্ব হচ্ছে স্পষ্টভাবে পৌঁছে দেওয়া।



An-Nahl (16:83)



يَعْرِقُونَ نِعْمَتَ ٱللهِ ثُمَّ يُنكِرُونَهَا وَأَكْثَرُهُمُ

ألكفرون



یہ الله کی نعمتیں جانتے پہچانتے ،ہوئے بھی ان کے منکر ہو رہے ہیں بلکہ ان میں سے اکثر ناشکرے ہیں

They recognise the Grace of Allah, yet they deny it (by worshipping others besides Allah and most of them are disbelievers (deny the Prophethood of Muhammad SAU).

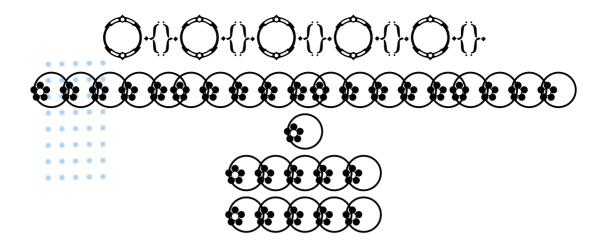
वे अल्लाह की नेमत को पहचानते हैं, फिर उसका इनकार करते है और उनमें अधिकतर तो अकृतज्ञ है

তারা আল্লাহ্ র অনুগ্রহ চিনতে পারে, তথাপি তারা সেইটি অস্বীকার করে, আর তাদের অধিকাংশই অবিশ্বাসী।

-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-Q-{}-

ZAMJIR _ROAR : ALLAAHU AKBER





An-Nahl (16:84)



وَيَوْمَ نَبْعَثُ مِن كُلِّ أُمَّةٍ شَهِيدًا ثُمَّ لَا يُؤْدَنُ لِلذِينَ كَفَرُوا ْ وَلَا هُمْ يُسْتَعْتَبُونَ يُؤْدَنُ لِلذِينَ كَفَرُوا ْ وَلَا هُمْ يُسْتَعْتَبُونَ

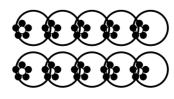
اور جس دن ہم ہر امت میں سے گواہ کھڑا کریں گے پھر کافروں کو نہ اجازت دی جائے گی اور نہ ان سے توبہ کرنے کو کہا جائے گا



And (remember) the Day when We shall raise up from each nation a witness (their Messenger), then, those who have disbelieved will not be given leave (to put forward excuses), nor will they be allowed (to return to the world) to repent and ask for Allah shall Forgiveness (of their sins, etc.).

याद करो जिस दिन हम हर समुदाय में से एक गवाह खड़ा करेंगे, फिर जिन्होंने इनकार किया होगा उन्हें कोई अनुमति प्राप्त न होगी। और न उन्हें इसका अवसर ही दिया जाएगा वे उसे राज़ी कर लें

আর সেদিন আমরা প্রত্যেক জাতির মধ্যে থেকে এক-এক জন সাক্ষী দাঁড় করাব, তখন যারা অবিশ্বাস করেছিল তাদের অনুমতি দেয়া হবে না, আর তাদের ক্ষমা-প্রার্থনা করতে দেওয়া হবে না।



An-Nahl (16:85)



بس<u>االلهم</u> الرحمن

وَإِذَا رَءَا الذِينَ ظَلَمُوا الْعَدَابَ فَلَا يُخَفَّفُ عَنْهُمْ وَلَا هُمْ يُنظرُونَ

اور جب یہ ظالم عذاب دیکھ لیں گے پھر نہ تو ان سے ہلکا کیا جائے گا اور نہ وہ ڈھیل دیے جائیں گے

And when those who did wrong (the disbelievers) will see the torment, then it will not be lightened unto them, nor will they be given respite.

और जब वे लोग जिन्होंने अत्याचार किया, यातना देख लेंगे तो न वह उनके लिए हलकी की जाएगी और न उन्हें मुहलत ही मिलेगी



আর যারা অন্যায়াচরণ করেছে তারা যখন শাস্তি দেখতে পাবে তখন তাদের থেকে তা লাঘব করা হবে না, আর তারা অব্যাহতিও পাবে না।

An-Nahl (16:86) بسرالله الالحجمان

وَإِذَا رَءَا الذِينَ أَشْرَكُواْ شُرَكَاءَهُمْ قَالُواْ رَبِّنَا هَٰؤُلَاءِ شُرَكَاؤُتَا الَّذِينَ كُنَّا تَدْعُواْ مِن دُونِكَ فَأَلْقَوْا إِلَيْهِمُ القَوْلَ إِتَكُمْ لَكَذِبُونَ

اور جب مشرکین اپنے شریکوں کو دیکھ لیں گے تو کہیں گے اے ہمارے یہی ہمارے وہ شریک ہیں /پروردگار



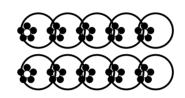
جنہیں ہم تجھے چھوڑ کر پکارا کرتے پس وہ انہیں جواب دیں گے کہ ،تھے تم بالکل ہی جھوٹے ہو

And when those who associated partners with Allah see their (Allah's so-called, which people have assumed ad thrir Aaliha_Gods.) partners, they will say: "Our Lord!!! These are our partners whom we used to invoke besides you." But they will throw back their word at them (and say): "Surely! You indeed are liars!"

और जब वे लोग जिन्होंने शिर्क किया अपने ठहराए हुए साझीदारों को देखेंगे तो कहेंगे, "हमारे रब! यही हमारे वे साझीदार है जिन्हें हम तुझसे हटकर पुकारते थे।" इसपर वे उनकी ओर बात फेंक मारेंगे कि "तुम बिलकुल झूठे हो।"



আর যারা অংশী দাঁড় করিয়েছিল তারা যখন তাদের দেবতাদের দেখতে পাবে তখন তারা বলবে — "আমাদের প্রভু! এরাই আমাদের ঠাকুরদেবতা যাদের আমরা পূজা করতাম তোমাকে ছেড়ে দিয়ে।" তখন তারা তাদের দিকে কথাটা ছুঁড়ে মারবে — "নিঃসন্দেহ তোমরাই তো মিথ্যাবাদী।"



An-Nahl (16:87)

بساراللهم الرحيمان مروديم

وَأَلْقُوا ۚ إِلَى ٱللهِ يَوْمَئِذِ ٱلسّلَمَ وَضَلَّ عَنْهُم مَا كاثوا يَقْتَرُونَ

الله کے (عاجز ہوکر) اس دن وہ سب سامنے اطاعت کا اقرار پیش کریں گے

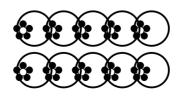


اور جو بہتان بازی کیا کرتے تھے وہ سب ان سے گم ہو جائے گی

And they will offer (their full) submission to Allah (Alone) on that Day, and their invented false deities [all that they used to invoke besides Allah , e.g. idols, saints, priests, monks, angels, jinns, Jibrael (Gabriel), Messengers, etc.] will vanish from them.

उस दिन वे अल्लाह के अगे आज्ञाकारी एवं वशीभूत होकर आ पड़ेगे। और जो कुछ वे घड़ा करते थे वह सब उनसे खोकर रह जाएगा

আর তারা সেইদিন আল্লাহ্^{ৠর্চ্চ}র কাছে আত্মসমর্পণে ঝোঁকে পড়বে, আর তারা যা উদ্ভাবন করত তা তাদের থেকে বিদায় নেবে।





Al-A'raaf (7:179) بسرالله م

وَلَقَدْ دَرَأْتا لِجَهَنّمَ كَثِيرًا مِنَ ٱلْجِنَّ وَٱلْهُمْ وَٱلْإِنسِ لَهُمْ قُلُوبٌ لَا يَفْقَهُونَ بِهَا وَلَهُمْ ءَادَانٌ لَا أَعْيُنٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ ءَادَانٌ لَا أَعْيُنٌ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ ءَادَانٌ لَا يَسْمَعُونَ بِهَا أُولَئِكَ كَٱللَّعْم بَلْ هُمْ أَضَلُ يَسْمَعُونَ بِهَا أُولِئِكَ هُمُ ٱلْعَفِلُونَ فَمُ أَلْعُفِلُونَ فَمُ ٱلْعَفِلُونَ فَمُ الْعَفِلُونَ فَمُ الْعَفِلُونَ فَمُ الْعَفِلُونَ فَمُ الْعَفِلُونَ فَيَا لَا فَالِكَ فَمُ الْعَفِلُونَ فَيَ الْعَفِلُونَ فَيَ الْعَفِلُونَ فَيْ الْعَفِلُونَ فَيْ الْعَفِلُونَ فَيْ الْعَفِلُونَ فَيْ الْعَفِلُونَ فَيْ الْعَفِلُونَ فَلَا فَيْ الْعَفِلُونَ فَيْ الْعَفِلُونَ فَلْمُ الْعَفِلُونَ فَيْ فَيْ لَا فَيْ الْعَفِلُونَ فَيْ الْعَفِلُونَ فَيْ فَلْمُ لَا عَلَى الْعُفِلُونَ فَيْ الْعَفِلُونَ فَيْ فَلْ فَيْ لَا فَيْ فَلُونَ فَلْ فَلُونَ فَلْ فَلْ فَيْ فَيْ فَلُونَ فَيْ فَالْمُ فَيْ فَا فَيْ فَلْ فَيْ فَلْ فَيْ فَلْ فَيْ فَيْ فَلُونَ فَيْ فَلْ فَيْ فَيْ فَيْ فَلْ فَيْ فَا فَيْ فَلْ فَيْ فَيْ فَلْ فَيْ فَرَانَ لَا فَيْ لَا فَيْ لَا فَيْ فَلْ فَيْ فَلُونَ فَيْ فَا فَيْ فَلْ فَلْ فَلْ فَيْ فَلْ فَيْ فَلُونَ فَيْ فَالْنَهُ فَلُونَ فَلْ فَيْ فَيْ فَيْ فَا فَيْ فَلِهُ فَالْمُ لَا فَيْ فَلْ فَيْ فَيْ فَيْ فَا فَيْ فَا فَيْ فَالْ فَيْ فَيْ فَا فَيْ فَالْمُ فَلْ فَلْ فَالْمُ لَا فَيْ فَلْ فَيْ فَلْ فَيْ فَالْمُ فَلْ فَلْ فَالْمُونَ فَالْمُ فَا فَلَالْمُ فَا فَالْمُلْمُ فَا فَالْمُلْمُ فَلُونَ فَا فَلَونَ فَا فَالْمُلْمُ فَا فَالْمُلْمُ فَا فَالْمُلْمُ فَا فَالْمُ فَا فَالْمُ فَا فَالْمُ فَا فَالْمُ فَا فَالْمُ فَا فَالْمُلْمُ فَالْمُ فَالْمُ فَا فَالْمُ فَالْمُ فَالْمُ فَالْمُ فَالْمُ فَالْمُ فَا فَالْمُ فَا فَالْمُ فَالْمُ فَا فَالْمُلْمُ فَا فَالْمُ فَالْمُونُ فَالْمُ فَالْمُلُولُ فَالْمُلْمُ فَالْمُ فَالْمُلْمُ فَالْمُ فَالْمُ فَالْمُلْمُ فَالْمُلْمُ فَالْمُولُونُ فَالْمُلْمُ فَالْمُلْ

اور ہم نے ایسے بہت سے جن اور جن ،انسان دوزخ کے لیے پیدا کئے ہیں کے دل ایسے ہیں جن سے نہیں سمجھتے اور جن کی آنکھیں ایسی ہیں جن سے نہیں دیکھتے اور جن کے ہیں جن سے نہیں دیکھتے اور جن کے



کان ایسے ہیں جن سے نہیں سنتے۔ یہ لوگ چوپایوں کی طرح ہیں بلکہ یہ ان سے بھی زیادہ گمراہ ہیں۔ یہی لوگ غافل ہیں

And surely, We have created many of the jinns and mankind for Hell. They have hearts wherewith they understand not, they have eyes wherewith they see not, and they have ears wherewith they hear not (the truth). They are like cattle, nay even more astray; those! They are the heedless ones.

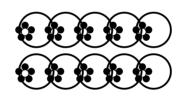
निश्चय ही हम ने बहुत-से जिन्नों और मनुष्यों को जहन्नम ही के लिए फैला रखा है। उनके पास दिल है जिनसे वे समझते नहीं, उनके पास आँखें है जिनसे वे देखते नहीं, उनके पास कान है जिनसे वे सुनते नहीं। वे पशुओं की तरह है, बल्कि वे उनसे भी अधिक पथभ्रष्ट है। वही लोग Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela,



4HeroXeroMassLames.....Folio.....89

है जो ग़फ़लत में पड़े हुए है

আর আমরা জাহান্নামের জন্য নিশ্চয়ই ছড়িয়ে দিয়েছি জিন ও মানুষের মধ্যের অনেককে, — তাদের হৃদয় আছে তা দিয়ে তারা বুঝে না, আর তাদের চোখ আছে তা দিয়ে তারা দেখে না, আর তাদের কান আছে তা দিয়ে তারা শোনে না। তারা গবাদি-পশুর ন্যায়, বরং তারা আরো পথভ্রষ্ট। তারা নিজেরাই হচ্ছে উদাসীন।



Hud (11:119)



وَتَمَّتْ خَلْقَهُمْ وَلِدَّلِكَ رَبُكَ رَحِمَ مَن إِلَا

ٱلجِنةِ مِنَ جَهَنَّمَ لأَمْلأَنَّ رَبِّكَ كَلِمَةً

أجْمَعِينَ وَٱلنَّاسِ



رحم رب کا آپ پر جن کے ان بجز
ہے، کیا پیدا لئے اسی تو انہیں فرمائے،
ہے پوری بات یہ کی رب کے آپ اور
انسانوں اور جنوں کو جہنم میں کہ
گا کروں پر سے سب

Except him on whom your Lord has bestowed His Mercy (the follower of truth - Islamic Monotheism) and for that did He create them. And the Word of your Lord has been fulfilled (i.e. His Saying):

"Surely, I has left Hell with jinns and men all together."

सिवाय उनके जिनपर तुम्हारा रब ﷺ दया करे और इसी के लिए उस ﷺ ने उन्हें पैदा خلق किया है, और तुम्हारे रब ﷺ की यह बात पूरी होकर रही कि "मैं Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....91



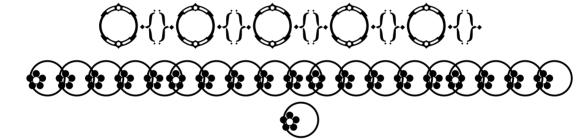
जहन्नम को अपराधी जिन्नों और मनुष्यों सबसे भरकर रहूँगा।"

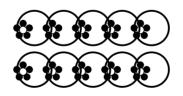
.

সে ব্যতীত যাকে তোমার প্রভু করুণা করেছেন, আর এর জন্যেই তিনি তাদের সৃষ্টি করেছেন। আর সম্পূর্ণ হয়েছে তোমার প্রভুর বাণী -- "আমি আলবৎ একই সঙ্গে জিনদের ও মানুষদের দ্বারা জাহান্নাম ভর্তি করব।"

 $-\{\}-\bigcirc -\{\}-\bigcirc -\{]-\bigcirc -\{]-$

ZAMJIR _ROAR : ALLAAHU AKBER





Al-A'raaf (7:180)





وَلِلهِ ٱلنَّسْمَآءُ ٱلحُسْنَى ۗ فَٱدْعُوهُ بِهَا وَدَرُوا ۗ ٱلذِينَ يُلْحِدُونَ فِي آسْمِّئِهِۦ سَيُجْزُوْنَ مَا كاثوا يَعْمَلُونَ

اور اچھے اچھے نام اللہ ہی کے لیے ہیں سو ان ناموں سے اللہ ہی کو موسوم کیا کرو اور ایسے لوگوں سے تعلق بھی نہ رکھو جو اس کے ناموں ان لوگوں کو ،میں کج روی کرتے ہیں ان کے کئے کی ضرور سزا ملے گی '

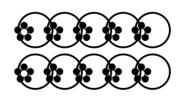
And (all) the Most Beautiful Names belong to Allah , so call on Him by them, and leave the company of those who belie or deny (or utter impious speech against) His
Names. They will be requited for what they Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio.....93



used to do.

अच्छे नाम अल्लाह हि के है। तो तुम उन्हीं के द्वारा उसे पुकारो और उन लोगों को छोड़ो जो उसके नामों के सम्बन्ध में कुटिलता ग्रहण करते है। जो कुछ वे करते हैं, उसका बदला वे पाकर रहेंगे

আর আল্লাহ্ করই হচ্ছে সবচাইতে ভালো নামাবলী, কাজেই তাঁকে ডাকো সেই সবের দ্বারা, আর তাদের ছেড়ে দাও যারা তাঁর নামাবলী নিয়ে বিকৃতি করে। অচিরেই তাদের প্রতিফল দেয়া হবে তারা যা করে যাচ্ছে তার জন্য।



Hud (11:119)



وَتَمَّتْ خَلْقَهُمْ وَلِدَلِكَ رَبُكَ رَحِمَ مَن إِلَا



ٱلجِنّةِ مِنَ جَهَنّمَ لأَمْلأَنّ رَبِّكَ كلِمَةٌ أَجْمَعِينَ وَٱلنّاسِ

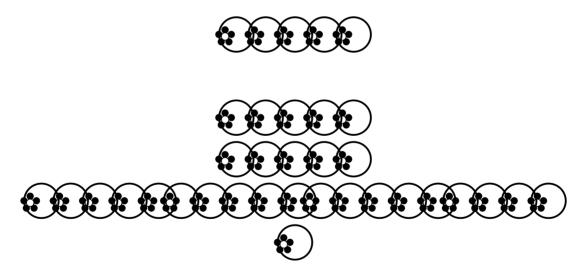
رحم رب کا آپ پر جن کے ان بجز
ہے، کیا پیدا لئے اسی تو انہیں فرمائے،
ہے پوری بات یہ کی رب کے آپ اور
انسانوں اور جنوں کو جہنم میں کہ
گا کروں پر سے سب

Except him on whom your Lord has bestowed His hercy (the follower of truth - Islamic Monotheism) and for that did He create them. And the Word of your Lord has been fulfilled (i.e. His has been fulfilled (i.e. His Saying): "Surely, I shall fill Hell with jinns and men all together."



सिवाय उनके जिनपर तुम्हारा रब कि दया करे और इसी के लिए उस कि ने उन्हें मैद्या के किया है, और तुम्हारे रब की यह बात पूरी होकर रही कि मैं जहन्नम को अपराधी जिन्नों और मनुष्यों सबसे भरकर रहूँगा।"

সে ব্যতীত যাকে তোমার প্রভু করুণা করেছেন, আর এর জন্যেই তিনি তাদের সৃষ্টি করেছেন। আর সম্পূর্ণ হয়েছে তোমার প্রভুর বাণী --আমি আলবৎ একই সঙ্গে জিনদের ও মানুষদের দ্বারা জাহান্নাম ভর্তি করব।"



Some Instances of



Attricities by Nasaara, Yehud, Infidel Combo... A Report:-

(Quote) What happened in Srebrenica, Yugislovakia, Now Bosnic Herzegovinic,

The Srebrenica killings came at the tail end of the Balkan wars of the 1990s.

Bosnian Serb forces overran the Dutch UN protection zone at Srebrenica and massacred 8,000 Muslim men and boys.



Their bodies were dumped in mass graves.

The peacekeepers, the Dutch government, and the United Nations have faced stinging criticism for their failure to prevent the killings.

The slaughter, judged an act of genocide by the International Criminal Tribunal for the Former Yugoslavia, was the worst single atrocity of the war, in which about 100,000 people died-killed-by the Nasara Serbs.-(Source-Internet,)



Many-Muslims+indians+indonesians-Mala ysians+Burmese-Koreans-+ Vietnamese+Japanese()+Africans+ఠAfric ans Blacks were killed during occupation ofvthise Countries,

-The treasures of theses countries +
Those of rich Individuals-were pillaged and looted and taken to their Home Lands,.....Atomic new bombs were test exploded in Nagasaki and Hiroshima in Japan killing Lakhs of innocent civilians-what an enormous BARBARITY..OF THE MOST CIVILIZED CONDUCT OF HOMO SAPIENS ON THE FRETE7-

A Report:-

Seychelles Islands: Failed Coup

Attempt by the British and their



Mercenaries-who were never punished

in Britan-u.k-

DURBAN, South Africa -- British Mercenary hijackers seized an Air India Boeing 707 jetliner with 79 passengers and crew aboard after it left the Seychelles Islands early Thursday and forced it to fly to South Africa.

Contrast:-

....But Libya was forced to pay Billions for something not connected to Libya ..for a Nasara plane which probably crashed

.+

The British gained Millions of donations from Libyan Qaddafy -but bombed and killed him afterwards...

...An Iranian intra•••country civilian aeroplane was shot down by aMaricans in



Iranian Airspace killing more than 350
Civilian passengers ...No Action.And No
Reaction so Far ..
jiskii Laathee Uskee hee Bhaisa....Might is
always The Right + Courtesy Puppet
Canine UNO.

++++++++++++++++

Ethnic Cleansings by The Nasara Mercenary State Sponsored Terrorism

Marauding Murderous Ethnic
Cleansings by The Nasara
Mercenary State Sponsored
Terrorism - since 1914-continue
unabated even today-2024-1445H.
Since 1915....about 5000
Mosques have been raz3d yi the
ground in Filidtine By the
Yehudi, Nasaaraa



,L.O.N~,U.N.O.Combination... NUMEROUS GENOCIDES HAVE BEEN COMMITTED IN FILISTINE..Genocidal ethnic cleansing -of 97% if Muslims by the 3% Yehudis supported by Nasaaraa Un Combo... thousands of Muslims Villag3s , Towns, Cities Were transformd into Zionist Places.. Armageddon is a Goebbelistic Propaganda unleashed to brainwash the Foolish, public. ONLY M.K.GANDHI OF THE INDIANBNATIONAL CONGRESS HAS OPPOSED THE CRIMINAL INHUMAN ATTRICITIES OF THE PERTRATORS...NO SANE PERSONSUPPORTED THE FILISTINIAN MUSLIMS....

This is the achivement of the Vultural -Voluptious,-civilization at its Zenith...

These Hat ,Boot, Suit ,Clad, Bat in

Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah

Khadija , Marium Jamela ,

4HeroXeroMassLames....Folio.....102



Hand,Dig in tow, uncivilized
Brutes_Doctors ,Scientists,etc dont know
what the Real Peronal Hygiene is?
And Mental Sanity is a far away
phenemenon..??-

Even After 137 years since

1915, Thousands of Years old

Scriptural Filistine nation des not

appear on the World Map...- It may

Never Appear ,The Yahudi Nasaara

,Un,combo is Working overtime to

decimate the Filistinians Totally and

FOR EVER..

IF THE Marauding Murderous Ethnic
Cleansers ,WISH new countries like
East Timor -South Sudan will be Torn Apart
by Force ,from say Indonesia,or Sudan, etc....+
Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah
Khadija , Marium Jamela ,
4HeroXeroMassLames.....Folio.....103



But the Scriptural Filistine-Palestine is being systematically Snuffed Out by Marauding Murderous Ethnic Cleanser Combination.

And the Entire World is Watching On 5he Sidelines as an Enjoyment...

The Actual Real Terrorists Are The NASAARA, YEHUDY, AND UN,COMBO,Who Control all the Puppet World Organisations <u>..Junglee Janwaron Ka Hathodi</u> Raj Chal Rahaa Hai...:--Marauding Murderous Ethnic Cleansings by The Nasara Mercenary State Sponsored Terrorism -since 1914-continues unabated even today(-2024-1445H.)---Puppets-UNO/S.C.-are supporting the Perpetrators-The Victims are like The Sheep attacked by A pack of Wild Let AlQuran Speak, Wake UpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....104



Animals.. The Victims Woes+ Violent
Sufferings continue even today ,with out
any Amelioration -watched by the entire
Comity if Notional
Nations---24/7+365/365+12/12++++

Second Preplanned-well
Executed incursion+
Invasion-of A Muslim Nation
called Filistine fully
Financed and militarily
Supported by ALL the Nasaaraa
Countries of the Whole
World,..but not opposed by
any civilized
lundyland,,,result::---entir
e Filistine + Bytul Maqdisi
occupied.

Alcoholic Pseudo-Christian Churchill ,the Arcitecht of



Ballsfour Declaration -was the chief Pork eating immoral Villain who colluded with the Zionists, planned and executed the Zionisation of Historic Palestine with lakhs of muslims killed and millions maimed/ kicked out as expelled refugees, --,---Christian Churchill brutishly + rudely + sarcastically branded our Mahatma Gandhi as a HALF NAKED FAKIR + HE DESCRIBED INDIANS AS BARBARIOUS UNCIVILIZED INFIDELS-Who are going to kill each other....hence they should be ruled by us only....Marauding Murderous Ethnic Cleansings by The Nasara Mercenary State Sponsored Let AlQuran Speak, Wake UpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela,



4HeroXeroMassLames.....Folio.....106

Terrorism -since 1914-continues unabated even today(-2024-1445H.)---Puppets-UNO/S.C.-are supporting the Perpetrators-The Victims are like The Sheep attacked by A pack of Wild Animals.. The Victims Woes+ Violent Sufferings continue even today ,with out any Amelioration -watched by the entire Comity if Notional Nations---24/7+365/365+12/1 2++++ ****

1967ණ Marauding Murderous Ethnic Cleansing 1973 war -the Nasaras Actively Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames....Folio.....107



waged a war agaist
AREgypt, Syria, to Prop up the
losing Yehudis with Massive
Might in Sinai and
Suez_Egypt...., Marauding
Murderous Ethnic Cleansing
Golda Mayya, and Disrael were
openly , militarily propped by
the Nasara War Loving
Mareka....But For Nasara War
Loving Mareka, Disloyal
disrael would have been wiped
out...

Russia and China -jointly blinked ...now they are Facing the Fruits of Friendship With Nasaras.Now in 2022....Assetsworth more than.3oo+++Trillions of Russia have been Confiscated by The Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah



Khadija, Marium Jamela,

4HeroXeroMassLames.....Folio.....108



Connivance and Material Help
From the Nasaara devil Satanic
god father midwives--

 \diamond \diamond \diamond \diamond \diamond \diamond

--Stage-1--1912-to-1930-The Bartanwy Supported ,Armed Goons from Europe started



killing Muslims toterririze ane force them out of their houses, lands, Villages, Towns, Cities right from 1915....with---5-Star result...

----Stage-2--1929--to-1945-Made in Englund... The Bartanwy
Supported ,Armed YehudisGoons
from Europe , whom the Mandated
Nasara invited to settle in
Filistine and armed with
Government Armoury --were
actually Sabotuers and British
agents ,

They perpetrated -5-Star Genocides...succesfully, with



Bartanwy

Support...Simultaeneousy
Bartanawy Armed forces and
Indian soldiers deployed from
British Inda, killed many
muslims merjlelly ti Hastenthe
pricess of Zionisation of
Palestine...

 \diamond \diamond \diamond \diamond \diamond \diamond

3-A-[Usurped] might is right-Mandate- Terrorism-upto mid1949

+B-illegal State Sponsored
Terrorism +approved by
connivance by other forces-.
----Stage-3--- 1946--to-196610lakh-one Million well

trained + well equipped ,well but evil intent motivated Army+ Mercenaries from Europe and Americas- +evil intent



Reservists+evil intent Female soldiers-attacked each and every place .They roudedup 20-/30-/100

male muslims and executed them publicly to create Terror and mass emigrations.. murdering a lakh of innocent

Children, Women, Men, forcing the entire muslim population of 18/20 lakhs-

These penniless Refugee came to Gaza Strip-West Bank ,Jordan ,Lebanon,Syria,Iraq-Sinai-Today Gaza-

Gadda(అరబీలో-గద్ద-)-West Bank are harbouring 45/50 muslim refugees.Those who migrated to Jordan

,Lebanon,Syria,Iraq-Sinai-ar
 e a little better,



But in Gazaగాజా(అరబీలో-గద్ద-)-West Bank ,war against muslims is a cinstant 24/7/365/12-life and death issue...when the israeli Tanks,Bomber Planes ,Missiles land on them only God knows...Disloyal israerly Tanks,Military ,Airforce,Navy fire are looking for instant targets ...

Palestinian Authority-is a Paper Tiger buttered by Nasaaraas.

This Trunkated-Broken-Badly
Battered nonForce is
subservient to the israeli
Military which invades
freequently the Muslims lands
with Full might -including



despatching people to their Quboor-graves-10/20 youngmen are killed everyday Muslims homes are demolished regularly Thus A Civilized modern perennial procedure...to Eliminate the Muslims...supportd by Nasaaraa and approved by the Vomity Comity of Notions except S.Africa... Palestinian Authority-is a Nasara Propped up Scare Crow ,and an Enemy Within ,A Trojan Horse, t0 muslims , Ever readily Compromising and Supporting the Yehudis....in their Evil Deeds, Demolition of muslim homes , open murders of innocent Let AlQuran Speak, Wake UpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....114



Plan.4-----Target Areas Will
be treated with Atomic Bombs
to Get Rid of the muslims on a
Wholesale Large Scale
.....Eretz Israel +
God-disloyal
disrelis ...Weizmann plan at
it's Zenith.....-

4A----Final Armageddon:
Preplanned-to be Executed
Expansionist incursion+
Invasion- fully supported by
ALL the Nasaaraa Countries of
the Whole World, of more Muslim
Let AlQuran Speak, Wake UpCall Series by Kerimah

W Edit with WPS Office

Khadija, Marium Jamela,

4HeroXeroMassLames.....Folio.....115

Nations ...but .but not going to be opposed by any civilized lundyland,
Marauding Murderous Ethnic Cleansing
Yehudi_Nasaraa-Expansionist ideology-they have plans for ERETEZ ISRAEL- WHICH WILL INCLUDE EGYPT,
ALL OF ARAB LANDS-KSA,SYRIA-JORDAN-LEBANON+++ Will be Next Targets ...



An-Noor (24:57)

بس<u>االلهم</u> الرحيمان مركزيمان

لَا تَحْسَبَنَ ٱلذِينَ كَفَرُوا مُعْجِزِينَ فِي ٱلأَرْضِ وَمَأْوَلِهُمُ ٱلنَّارُ وَلَيْئُسَ ٱلْمَصِيرُ

یہ خیال آپ کبھی بھی نہ کرنا کہ منکر ہمیں (ادھر ادھر بھاگ کر) لوگ زمین میں ان کا اصلی ٹھکانا تو ،ہرا دینے والے ہیں جہنم ہے جو یقیناً بہت ہی برا ٹھکانا ہے

Consider not that the disbelievers can escape in the land. Their abode shall be the Fire, and worst indeed is that destination.

यह कदापि न समझो कि इनकार की नीति अपनानेवाले धरती में क़ाबू से बाहर निकल जानेवाले है। उनका ठिकाना आग है, और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है



তুমি মনে করো না যে যারা অবিশ্বাস পোষণ করে তারা পৃথিবীতে এড়িয়ে যেতে পারবে, বরঞ্চ তাদের আবাসস্থল হচ্ছে আগুন। আর আলবৎ মন্দ সেই গন্তব্যস্থান।

·{}·()·()·{}·Allahu,s.w.t.,Shaal certainly

Accomplish what HE Wishes....

At-Tawba (9:33)

هُوَ ٱلذِيٓ أَرْسَلَ رَسُولُهُۥ ۖ بَالْهُدَى ٰ وَدِينِ ٱلْحَقِّ لِهُوَ الْمُشْرِكُونَ لِيُظْهِرَهُۥ عَلَى ٱلدِّينِ كَلِهِۦ وَلَوْ كَرِهَ ٱلْمُشْرِكُونَ لِيُظْهِرَهُۥ عَلَى ٱلدِّينِ كَلِهِۦ وَلَوْ كَرِهَ ٱلْمُشْرِكُونَ

اسی نے اپنے رسول کو ہدایت اور سچے دین Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....118



کے ساتھ بھیجا ہے کہ اسے اور تمام مذہبوں پر غالب کر دے اگر چہ مشرک برا مانیں

It is He^{**} Who has sent His Messenger (Muhammad SAW) with guidance and the religion of truth (Islam), to make it superior over all religions even though the Mushrikun (polytheists, pagans, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah ***) hate (it).

वही है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा ताकि उसे तमाम दीन (धर्म) पर प्रभावी कर दे, चाहे मुशरिकों को बुरा लगे

তিনিইالله

সেইজন যিনি তাঁর রসূলকে পাঠিয়েছেন
পথনির্দেশ ও সত্য-ধর্মের সাথে যেন তিনি তাকে প্রাধান্য
দিতে পারেন ধর্মের -- তাদের সবক'টি উপরে, যদিও
মুশরিকরা অনিচ্ছুক।



At-Tawba (9:32)

يُرِيدُونَ أَن يُطُفِّ وا ثُورَ ٱللهِ بِأَفُوهُمْ وَيَأْبَى اللهُ إِلاَ أَن يُتِمَّ ثُورَهُۥ وَلَوْ كَرِهَ الْكَفِرُونَ

وہ چاہتے ہیں کہ الله کے نور کو اپنے منھ سے بجھا دیں اور الله تعالیٰ انکاری ہے مگر اسی بات کا کہ اپنا نور پورا کرے گو کافر نا خوش رہیں

They (the disbelievers, the Jews and the Christians) want to extinguish Allah Light (with which Muhammad SAU) has been sent – Islamic Monotheism) with their mouths, but Allah will not allow except that His Light should be perfected even though the Kafirun (disbelievers) hate (it).



चाहते है कि अल्लाह के प्रकाश को अपने मुँह से बुझा दें, किन्तु अल्लाह अण्डि अपने प्रकाश को पूर्ण किए बिना नहीं रहेगा, चाहे इनकार करनेवालों को अप्रिय ही लगे

তারা আল্লাহ্ র্ঞ্জর জ্যোতি নিভিয়ে দিতে চায় তাদের মুখ দিয়ে, আর আল্লাহ্ র্ঞ্জতাঁর জ্যোতির পূর্ণাঙ্গ সাধন না ক' রে থামছেন না যদিও অবিশ্বাসীরা অসন্তোষ বোধ করছে।

بساللهم اللهمي الله المرابطة ا

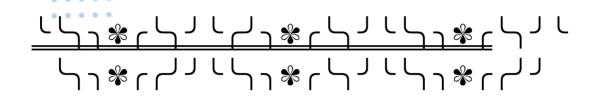
جو چاہے اسے کر گزرنے والا ہے

He طله does what He intends (or wills).



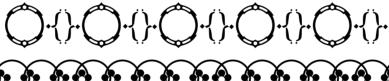
ाजो चाहे उसे कर डालनेवाला. ﴿ ﴿ اللهِ المِلْمُلِي اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الله

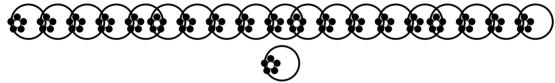
তিনিঋ়ি যা চাহেন তার একক কর্মকর্তা।

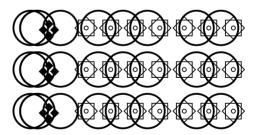


 $+ \{ \} - \{$

ZAMJIR _ROAR : ALLAAHU AKBER







Quantum Physics.....The Devastating_ ...Shytaany_Satanic



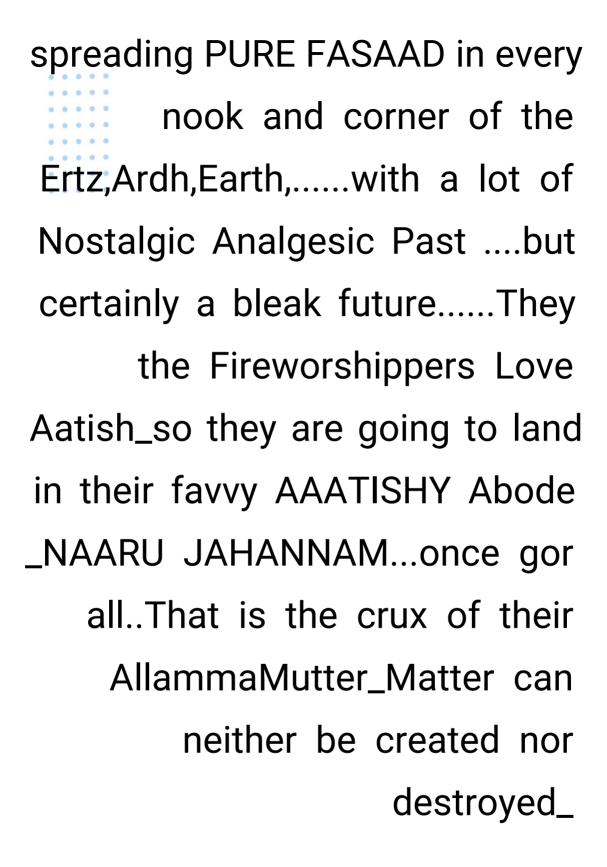
Effect.....in the ever expanding universal Mass Nuetrons, Protons, and all Fringe particles are in constant motion ,collision cours€)?/demotion affected effectively by selectively elected conglomerate of fissionable-emotions of various Greko-Rumaany-ZwendAwesthe hues and colours entwined intricately in Goongaa Jhoomnaa Tehzeeby Tamaddan and of course a grand sense of belonging to a particular Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela,



4HeroXeroMassLames.....Folio.....123

Schismatic Marzy Roghany Rougey _Buzrogy iconic, denomination of Dalleen Sosey wollencoatsoofeee softwared ,Technolgized fabricated in the great Majoosy lands of Daariooos,jerkyXerxes,Mageaan magillan magicalmaggi fire of PadreNamkeen-MaadreTalkh _DukhtereTwofey_watan...AryaM ohraZohraKohra,Dakaaraa,Pukaa raa,Baakaaraa,Bargandy Kontiki_men_hellbent on







No matter what i blabber,Physical Matter can neither be created nor destroyed_of course it may change from one to the other state_Solid,Liquid,Gaseous ...Tridentic Triad TeenTrishul Trayam Three... Eg.Water_ H²o 1_Normally Liquid... 2_Frost,Ice,at Low Temparature.... ∃_Gas, Vapour at High Temerature +++Atmospheric Pressure...Who created all these

W Edit with WPS Office

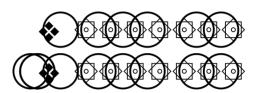
Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah

Khadija, Marium Jamela,

4HeroXeroMassLames.....Folio.....126

Qudraty Forces.....

Ans: Say Allaahu...The AlMighty...Khaliqu Kulli Shyin....

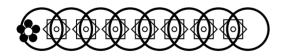


Look at the Vomity Comity of Notions, Uno,

Demonocratic Venom Spewing west...Created an Enormous human tragegdy in Palestine....even after 108 Palestinian Muslims years suffering, More than 1000000 homes ,Mosques,Villages,Town,Cities of peaceful citizens have been BullDozed, Lakhs of Muslims have been killed, Millions transformed into Refugees...killing and destruction of homes is the State sponsored



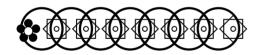
Tyrranical Policy of the Culturally Vulturized blood thirsty ,Sadists since 108 years.....watching the inhuman Tragedies Gleefully on Mediaare the gftl BananaLands....Baitul Maqdis....Aqsa may go the way.....The demon of God Babar disLoyal_Qaabid_Disrael is working overtime in destrution, killings, murders mayhem...spreading and Fasaad...through Mossaaad....of late State this sponsored Technology is being exported to barre kabaaer....of course for a hefty Fee. Al-Baqara (2:11)



Allaahu, s Gauntlet thrown at islamphobes, Quran Burners, Muslim Bashers, Hijab Haters, and their



ilk....ألخ...So far none had the timirity to accept the Challengeexcept gibberish blabbar about muslims and mudslinging....All of the Evil perpetrated on Muslims is destined To Boomarang encompassing the Evil Devilish persona themselves @ Fast approaching DoomsDay Wait! Hell is in Wait! and a Grand Never Ending Reception is also in Waitas Bonus.....



.....YAA RABBI...

.....REMOVE FROM MY MIND

ALL THE BUZRUGY RIJZ -OUR TRADITIONAL

CORRUPTED SOFTWARE DEEPLY EMBEDDED IN MY

PSYCHE SINCE CHILDHOOD....ACTING AS AN

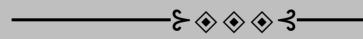
INSURMOUNTABLE LIFE-LONG IMPEDIMENT FOR

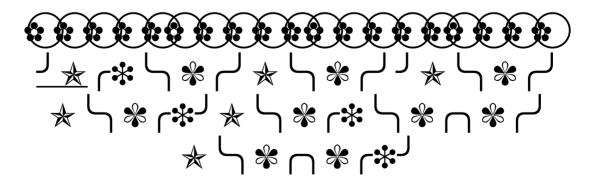


MY HIGHER FACULTIES ,PREVENTING ME FROM
CONFIGURING YOU AND YOUR DEEN AL-ISLAAMU...
....AND MY QAREEN_HAAJIZ_SHYTAAN HAS ENTICED
AND OVERPOWERED ME...RESULTANTLY MY
DAMAAGH REJECTS THE QURAANIC
SOFTWARE-BECAUSE MY BUZRUGY SOFTWARE HAS
HARDENED INTO STEELY HARDENED HADEED..YOU ALONE CAN SAVE ME ----OTHERWISE I WILL
SURELY END UP AS ONE OF THE MANY
KHAASIREEN...THE ULTIMATE HATABU JAHANNAM

-SAVE MY LOUSY SOULأستغفر أللهَ و توبُ إليهِ. -AAMEEN YAA RABB_AL_AALAMEEN..

.....







A Revert.9_nau-number layman
-nissaarudu -has learnt Arabic all by
selfstudy ..He enjoys studying
Al-Quraanu- with understanding-Also is
teaching Arabic Grammar to others +
writing islamic books -



.A question asked by Sheikh Abu
Ameena Bilaal Philips..
so what then are the fisrt grade number
one/1. mislems doing..?
Petgiry
Pateloiry Paddygiry Pomeogiry VTgiry F

,Patelgiry,Daddygiry,Romeogiry,YTgiry,F Bgiry,WgatsUpGiry,,,,,giry,,,giry,,,

Are they proud of their Shajara
Sherif-Family Trees-their Lineage -their
obsolete obliterated dark past-their
obsessive adhehence to pigdin-URDUand their delusional indifference to
Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah
Khadija, Marium Jamela,
4Hero Xero Mass Lames..... Folio..... 131



ARABIC اللغة العربية Unread,Ununderstood-obviously Not followed and not practiced perfectly-finally not propogated to the ignorant?

-AlKitaabu is kept on the sheves to gather dust???







L*1 ******************

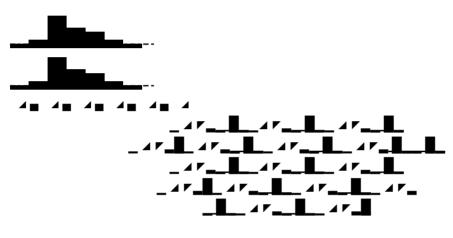
♦★**\$** ┌*लेट कुरान स्पीक सीरीज फार

০/९मिस्लेम,লেট কুরআন সস্পেক সিরিজ, ফর ০/9মিশ্লেম القرءان يتكلم

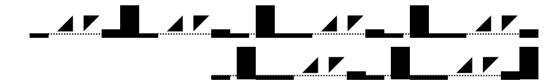
LET QURAN SPEAK ,WAKE UP,SERIES FOR

¬ ❖ ┌by Kareema Khadija,MaryumJameela,
@hyd,India,the Mera mahan Bharat..Sare
Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah
Khadija , Marium Jamela ,
4HeroXeroMassLames.....Folio.....132









dtp by jiddujaHooooolan Zalooomaaaaa with Technical help from ApplerajESciondia,CCIE,



